दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

(संग्रह)

अक्तूबर 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश 4

- मध्य प्रदेश में भावांतर योजना पुन: प्रारंभ 4
- लाल बहादुर शास्त्री जयंती 5
- इंदौर चिड़ियाघर में विदेशी बाइसन और शुतुरमुर्ग 6
- जनजातीय ग्राम विज़न 2030 8
- मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध 9
- मध्य प्रदेश में 10वीं शताब्दी की मूर्तियाँ मिलीं 10
- प्रधानमंत्री ने इंदौर में मिल्क पाउडर प्लांट का उद्घाटन किया 12
- भारत के पहले स्मार्ट मोबाइल शौचालयों के लिये राष्ट्रीय मानक 13
- लोकपथ मोबाइल ऐप 14
- सड़क सुरक्षा ऐप 'संजय' लॉन्च 15
- मध्य प्रदेश में पहली बार कोदो-कुटकी का उपार्जन 16
- मध्य प्रदेश से बाघों का पड़ोसी राज्यों में पुनर्वास 18
- छतरपुर ब्रुअरी से विषाक्त अपशिष्ट के निस्तारण की जाँच हेतु NGT ने आदेश जारी किये 20
- भावांतर योजना 22
- हेलीकॉप्टर-संचालित बोमा तकनीक 23
- मध्य प्रदेश मंत्रिपरिषद ने प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी प्रदान की 24
- पीयूष पांडे का निधन 27
- इंदौर में FDTL का उद्घाटन 28

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 29

- अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 29
- राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 30
- माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च 32
- श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती 32
- विश्व कपास दिवस 2025 34

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- विश्व पर्यावास दिवस 35
- 93वाँ वायुसेना दिवस 35
- 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 36
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 37
- विश्व मानक दिवस 38
- भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN–RoKN) 39
- विश्व खाद्य दिवस 2025 40
- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती 41
- विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब 42
- समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण 43
- संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025 44
- पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त 45
- नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि 47
- अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल 48
- वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025 50
- पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना 51
- भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न 54
- त्रिशूल अभ्यास 56
- मोंथा चक्रवात 57
- DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन 57
- 8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत 58
- न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त 59
- राष्ट्रीय एकता दिवस 60

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में भावांतर योजना पुनः प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने बाज़ार में नुकसान और फसल क्षति का सामना कर रहे सोयाबीन किसानों को उचित मूल्य तथा किसान कल्याण सुनिश्चित करने के लिये **मूल्य मुआवज़ा** प्रदान करने के लिये भावांतर योजना (मूल्य न्यूनता भुगतान योजना) को पुनः प्रारंभ किया है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - इस योजना का उद्देश्य **बाज़ार मूल्यों** और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के बीच के अंतर को पाटना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को **वित्तीय क्षति** का सामना न करना पड़े।
  - किसानों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार बाज़ार में उतार-चढ़ाव या **पीले मोज़ेक रोग** जैसी फसल बीमारियों के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई करने की योजना बना रही है।
- **पात्रता और पंजीकरण:**
  - किसानों को MSP से कम किसी भी बिक्री मूल्य के लिये **मुआवजा** प्राप्त करने हेतु **भावांतर योजना** के तहत अपनी फसलों को पंजीकृत करना होगा, राज्य सरकार सीधे उनके खाते में **मूल्य अंतर** का भुगतान करेगी।
  - सोयाबीन का MSP 5,328 रुपये प्रति क्विंटल है, लेकिन कई किसान वर्तमान में इससे कम मूल्य पर इसे बेच रहे हैं।
- **महत्त्व:**
  - मध्य प्रदेश, जो भारत के कुल सोयाबीन उत्पादन का लगभग 50% उत्पादन करता है, देश का अग्रणी सोयाबीन उत्पादक राज्य है, जिससे इसे भारत का सोयाबीन **कटोरा** कहा जाता है।
- **चुनौतियाँ:**
  - महत्त्वपूर्ण योगदान के बावजूद किसानों को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे– न्यूनतम बाज़ार लाभ, प्राकृतिक आपदाएँ और रोग उनकी **आजीविका** को प्रभावित करते हैं।
  - **भावांतर योजना** के पहले कार्यान्वयन (2017) में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें भुगतान में देरी और फसलों की अधिक आपूर्ति शामिल थीं, जिसके कारण कीमतों में भारी गिरावट आई तथा अंततः किसानों को नुकसान हुआ।

सोयाबीन की फसल

- सोयाबीन भारत में खरीफ की फसल है।
- सोयाबीन (Glycine max) विश्व की सबसे महत्त्वपूर्ण **बीज फली** है, जो वैश्विक **खाद्य तेल** में 25% का योगदान देती है, यह पशुओं के आहार के लिये विश्व के **प्रोटीन सांद्रण** का लगभग दो-तिहाई है तथा मुर्गी और मछली के लिये तैयार आहार में एक मूल्यवान घटक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसे मुख्य रूप से **वर्टिसोल** और संबद्ध मिट्टी में वर्षा आधारित फसल के रूप में उगाया जाता है, जहाँ फसल के मौसम में औसत वर्षा 900 मिमी. होती है।
  - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक भारत में प्रमुख **उत्पादक राज्य** हैं।

लाल बहादुर शास्त्री जयंती

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्तूबर) पर उनके आदर्शों और **"जय जवान, जय किसान"** के नारे को मार्गदर्शक शक्ति के रूप में स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

लाल बहादुर शास्त्री के बारे में:

- **जन्म:** उनका जन्म **2 अक्तूबर, 1904 को मुगलसराय,** उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- **संक्षिप्त परिचय:** ये **भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे** इन्हें प्रभावशाली नेतृत्व तथा इनके **नारे "जय जवान, जय किसान"** (जिसमें राष्ट्र निर्माण में सैनिकों और किसानों दोनों के महत्त्व पर बल दिया गया था) के लिये जाना जाता है।
- **मृत्यु: 11 जनवरी, 1966 को ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में उनकी मृत्यु हो गई।**
  - वह **मरणोपरांत भारत रत्न (1966) से सम्मानित होने वाले पहले व्यक्ति थे।**
- **राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका:**
  - **वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध में नेतृत्व:** लाल बहादुर शास्त्री ने वर्ष **1965 के युद्ध के दौरान भारत का प्रभावी नेतृत्व किया।**
  - **हरित क्रांति: शास्त्री जी ने हरित क्रांति** को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे **भारत को कृषि उत्पादन बढ़ाने** और देश की खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करते हुए खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता को प्राप्त करने में मदद मिली।
  - **राष्ट्रीय एकता:** उन्होंने विविध क्षेत्रों, भाषाओं और संस्कृतियों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता तथा एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया।
    - साथ ही उन्होंने भारत की आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देने तथा विदेशी आयात पर निर्भरता कम करने के लिये औद्योगीकरण और आत्मनिर्भरता की नीतियों को प्रोत्साहित किया।
  - **सिविल सेवाएँ:** शास्त्री ने **सिविल सेवकों के लिये उच्च नैतिक मानकों, पारदर्शिता तथा समर्पण को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया** ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासन भ्रष्टाचार से मुक्त रहने के साथ लोक सेवा के लिये प्रतिबद्ध रहे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

इंदौर चिड़ियाघर में विदेशी बाइसन और शुतुरमुर्ग

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री **मोहन यादव** ने **इंदौर चिड़ियाघर** का दौरा किया और राज्य के बढ़ते **वन्यजीव** **महत्त्व**, **नई प्रजातियों के समावेश** तथा भविष्य की **संरक्षण परियोजनाओं** के साथ **जैवविविधता** **प्रबंधन** को सशक्त करने पर ज़ोर दिया।

मुख्य बिंदु

- **नई प्रजातियों का समावेश:**
  - चार भारतीय **बाइसन**– रुद्र, तुलसी, कल्कि और ताप्ती तथा **शुतुरमुर्गों** के दो जोड़े इंदौर चिड़ियाघर में शामिल हुए, जिससे इसकी **वन्यजीव विविधता** में वृद्धि हुई।
  - ये **कर्नाटक के शिमोगा चिड़ियाघर** से **टाइगर** **प्रजनन और आदान-प्रदान कार्यक्रम** के तहत लाए गए, इसके बदले **इंदौर चिड़ियाघर से एक बाघ** शिमोगा चिड़ियाघर को भेजा गया।
- **वन्यजीव देखभाल एवं प्रजनन सफलता:**
  - मुख्यमंत्री ने चिड़ियाघर के **देखभाल मानकों** की प्रशंसा की तथा ज़ेब्रा के सफल प्रजनन को प्रभावी **पशु प्रबंधन** का एक मॉडल बताया।
  - उन्होंने नागरिकों से **पशुओं के प्रति करुणा दिखाने** का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि "पशु और पक्षी हमारी **पर्यावरण प्रणाली** का अभिन्न अंग हैं।"

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **भविष्य की योजनाएँ:**
  - इंदौर चिड़ियाघर परिसर में **मध्य भारत का सबसे आकर्षक एक्वेरियम** विकसित किया जाएगा, ताकि ईको-टूरिज़्म को बढ़ावा मिले और **जलीय जैवविविधता के प्रति जनजागरूकता** बढ़ाई जा सके।

भारतीय बाइसन (गौर)

- **परिचय:**
  - भारतीय बाइसन या **गौर** (Bos gaurus) भारत में जंगली मवेशियों की सबसे **बड़ी** और सबसे **ऊँची** प्रजाति है तथा विश्व का सबसे बड़ा विद्यमान **गोजातीय** है।
  - विश्व में इनकी अनुमानित संख्या 13,000–30,000 है, जिसमें से लगभग **85% भारत में पाई** जाती है।
- **आवास और वितरण:**
  - यह दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की मूल प्रजाति है तथा यह भारत में **पश्चिमी घाटों** में प्रचुर संख्या में पाई जाती है, मुख्य रूप से नागरहोल, बाँदीपुर, **मसिनागुडी** तथा **बिलिगिरिरंगना हिल्स (BR हिल्स)** में।
  - यह प्रजाति म्याँमार और थाईलैंड में भी पाई जाती है
  - यह सदाबहार और नम पर्णपाती वन, **6,000 फीट तक ऊँचाई वाले के वनों** रहती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट: सुभेद्य (Vulnerable)
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची I

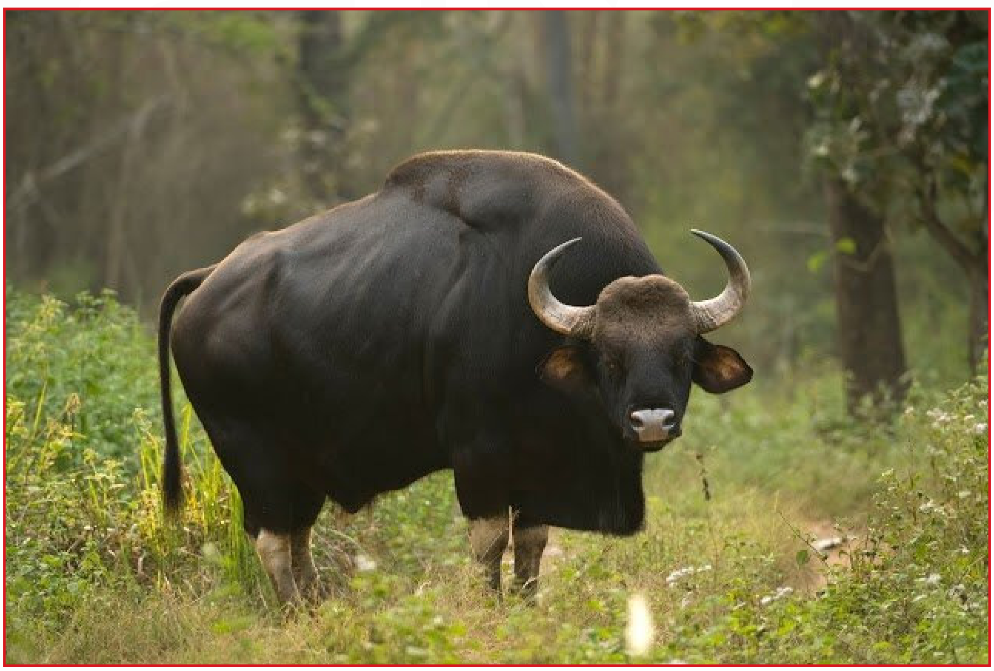

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

शुतुरमुर्ग (Struthio camelus)

- उड़ान-रहित पक्षी, अत्यंत तेज़ दौड़ने वाले, **43 मील प्रति घंटा** तक की गति।
- अफ्रीकी सवाना और रेगिस्तान (सोमालिया, इथियोपिया, केन्या, दक्षिण अफ्रीका) के **मूल निवासी**।
- ये छोटे झुंडों में रहते हैं (आमतौर पर 12 से भी कम), जिनका नेतृत्व **नर** करते हैं, जो मुख्य रूप से अग्रणी **मादा** के साथ संभोग करते हैं।
- 2 से 2.8 मीटर **ऊँचाई** और 90 से 160 किलोग्राम **वज़न** वाले सबसे बड़े जीवित पक्षी।
- **IUCN स्थिति:** कम चिंताजनक (Least Concern)

जनजातीय ग्राम विज़न 2030

चर्चा में क्यों ?

2 अक्तूबर, 2025 को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से **1 लाख जनजातीय गाँवों और टोलों में** जनजातीय ग्राम विज़न 2030 **को** आधिकारिक तौर पर अपनाया गया।

- यह पहल आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत **आदि सेवा पर्व** का मूल स्तंभ है, जो प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा मध्य प्रदेश के **धार** में शुरू किया गया **विश्व का सबसे बड़ा जनजातीय मिशन** है।

मुख्य बिंदु

- **व्यापक भागीदारी:**
  - यह पहल 30 **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों** के 1 लाख गाँवों और टोलों में 11.5 करोड़ **जनजातीय नागरिकों** तक पहुँच चुकी है, जिसे 20 लाख प्रशिक्षित **आदि कर्मयोगियों** तथा 7.5 लाख आदि **साथी एवं सहयोगियों** का समर्थन प्राप्त है।
- **ग्राम विज़न 2030:**
  - प्रत्येक **जनजातीय गाँव** ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, समावेशन और अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना स्वयं का **विकास रोडमैप** तैयार किया, जो कि विकसित भारत@2047 के अनुरूप है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सामुदायिक नेतृत्व वाली शासन-व्यवस्था:**
  - ग्रामीणों ने स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करने तथा सहभागितापूर्ण योजना सुनिश्चित करने के लिये **ट्रांसेक्ट वॉक, केंद्रित समूह चर्चा** और **अंतराल विश्लेषण** आयोजित किये।
- **प्रमुख योजनाओं के साथ एकीकरण:**
  - **ग्राम कार्ययोजनाओं** को पीएम जनमन, **धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 2.0** और अन्य केंद्रीय तथा राज्य योजनाओं के साथ जोड़ा गया है।
- **आदि सेवा केंद्रों की स्थापना:**
  - एक लाख आदि **सेवा केंद्रों** को **सिंगल-विंडो नागरिक सेवा केंद्र** के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ ग्रामीण सामुदायिक कार्य के लिये प्रति सप्ताह एक घंटा (**आदि सेवा समय**) स्वयंसेवा करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी सक्षम शासन:**
  - **AI-संचालित आदि वाणी ऐप** के माध्यम से सरकारी अधिकारियों और जनजातीय नागरिकों के बीच **स्थानीय भाषाओं में रियल टाइम संचार** सुनिश्चित किया गया है, जिससे **अंतिम स्तर पर योजना वितरण** संभव होता है।
- **पात्रता वितरण:**
  - अभियान के माध्यम से 23 लाख से अधिक **लाभार्थियों** को आधार, आयुष्मान भारत, पीएम किसान और पीएम जन धन के तहत पहचान तथा पात्रता कार्ड प्रदान किये गए हैं।

मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार ने किडनी फेल होने के कारण कई बच्चों की मृत्यु के बाद राज्य में **कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री** पर **पूर्ण प्रतिबंध** लगाने की घोषणा की है।

- तमिलनाडु सरकार द्वारा की गई **जाँच में यह पाया गया** कि कोल्ड्रिफ सिरप के नमूनों में **48.6% डाइएथिलीन** ग्लाइकॉल (DEG) था, जो एक विषैला रसायन है तथा किडनी को गंभीर नुकसान पहुँचाता है।

मुख्य बिंदु

- **डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG)** की उपस्थिति की पुष्टि के पश्चात् राज्य स्तर पर प्रतिबंध लगाया गया तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत **राष्ट्रव्यापी विनियामक कार्रवाई** प्रारंभ की गई।
- **डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG):**
  - यह एक **रंगहीन, मीठे स्वाद वाला औद्योगिक रासायनिक पदार्थ** है, जिसका उपयोग प्रायः **ब्रेक फ्लूड्स (Brake Fluids)** और **एंटीफ्रीज़ (Antifreeze)** में किया जाता है।
  - कुछ औषधि निर्माता इसे **सस्ता विलायक** मानकर प्रयोग करते हैं, क्योंकि इसका भौतिक गुण सुरक्षित औषधीय यौगिकों के समान होता है।
  - DEG के सेवन से **पेट दर्द, उल्टी, गुर्दे की विफलता और** तंत्रिका तंत्र **की क्षति** हो सकती है तथा **अधिक मात्रा में सेवन से मृत्यु भी हो सकती है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940:**
  - यह अधिनियम भारत में **औषधियों और प्रसाधन सामग्री के आयात, निर्माण, बिक्री** तथा **वितरण** को **लाइसेंस एवं परमिट** के माध्यम से नियंत्रित करता है।
  - इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाज़ार में उपलब्ध औषधियाँ और प्रसाधन सामग्री **सुरक्षित, प्रभावी** तथा **राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों।**
  - इसके साथ ही **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945** औषधियों को **विभिन्न अनुसूचियों** में वर्गीकृत करते हैं तथा उनके **भंडारण, बिक्री, प्रस्तुतीकरण और चिकित्सकीय पर्चे (Prescription)** से संबंधित दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं।

मध्य प्रदेश में 10वीं शताब्दी की मूर्तियाँ मिलीं

चर्चा में क्यों ?

पुरातत्त्वविदों को **मध्य प्रदेश के दमोह ज़िले के डोनी गाँव** में 10वीं–11वीं शताब्दी की **15 दुर्लभ मूर्तियाँ** प्राप्त हुई हैं, जो कलचुरी काल की समृद्ध मंदिर वास्तुकला को प्रदर्शित करती हैं।

- इन मूर्तियों ने **विशेषज्ञों को आश्चर्यचकित** कर दिया है और ये **मध्य भारत में मध्ययुगीन मंदिर वास्तुकला के इतिहास** को **पुनर्परिभाषित** कर सकती हैं।

मुख्य बिंदु

- **खोज के बारे में:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राज्य पुरातत्त्व विभाग** (उत्तरी क्षेत्र) ग्वालियर के उप-निदेशक पी.सी. महोबिया के नेतृत्व में एक दल **अप्रैल 2025** से इस स्थल का उत्खनन कर रहा है।
- लाल बलुआ पत्थर से निर्मित ये मूर्तियाँ **विविध देवी-देवताओं** का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें **अर्द्धनारीश्वर** और **नरसिंह** जैसी **दुर्लभ मूर्तियाँ** भी सम्मिलित हैं।
- इन कलाकृतियों की खोज ने **इतिहासकारों और विद्वानों का ध्यान आकर्षित** किया है, जो मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत **में** एक महत्त्वपूर्ण **योगदान** है।

कलाकृतियाँ:

- **नरसिंह मूर्ति:** अर्द्ध-मानव, अर्द्ध-सिंह रूप में मिली यह मूर्ति ऊपर से सुरक्षित है, जबकि इसका निचला भाग क्षतिग्रस्त है।
- **अर्द्धनारीश्वर मूर्ति:** शिव और पार्वती का अद्वितीय संयुक्त रूप, जिसमें **नंदी पार्वती को उठाए हुए हैं, जो अत्यंत दुर्लभ चित्रण है।**
- **अन्य मूर्तियाँ:** ब्रह्मा, वायु, नायिका तथा पार्वती की मूर्तियाँ भी उत्खनन में प्राप्त हुई हैं, जो अत्यधिक सूक्ष्मता और कलात्मकता के साथ निर्मित हैं।

महत्त्व

- ये मूर्तियाँ **कलचुरी काल** की **मंदिर वास्तुकला तथा धार्मिक प्रतीकवाद** की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत करती हैं तथा **मध्यकालीन** हिंदू मूर्तिकला की समझ को और गहराई प्रदान करती हैं।
- विशेष रूप से **अर्द्धनारीश्वर की वह अद्वितीय प्रतिमा**, जिसमें **नंदी को पार्वती को वहन करते हुए** दर्शाया गया है, **पारंपरिक मूर्तिशिल्प प्रतिमानों को चुनौती देती** है और **शैक्षणिक अध्ययन के नए आयाम** खोलती है।
- **लाल बलुआ पत्थर** से निर्मित इन मूर्तियों का **सांस्कृतिक एवं संभावित आर्थिक मूल्य अत्यंत उच्च** माना जा रहा है।

कलचुरी राजवंश

उत्पत्ति:

- कलचुरियों को **हैहय (Haihayas)** के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इनकी **उत्पत्ति क्षत्रिय जनजाति** से हुई थी।
- इनका **उल्लेख ब्राह्मण महाकाव्यों और पुराणों में मिलता है।** प्रारंभिक कलचुरी या माहिष्मती के शासक वर्तमान **गुजरात, मध्य प्रदेश** तथा **महाराष्ट्र के क्षेत्रों पर शासन करते थे।**

प्रारंभिक शासक:

- उल्लेखनीय प्रारंभिक शासकों में **कृष्णराज, शंकरगण और बुद्धराज** (550-620 ई.) शामिल हैं। अपने प्रारंभिक उत्थान के बावजूद कलचुरियों ने वातापी के चालुक्यों तथा **वल्लभी के मैत्रकों** जैसे शक्तिशाली पड़ोसी राज्यों के विरुद्ध संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका पतन हुआ।

वैवाहिक संबंध:

- अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के लिये कलचुरियों ने **पूर्वी और पश्चिमी चालुक्यों के साथ वैवाहिक संबंध बनाए।** सैन्य पराजय के बाद भी इन गठबंधनों ने उनके राजनीतिक अस्तित्व को बचाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चेदि के कलचुरी:

- चेदि के कलचुरी, जिनकी **राजधानी त्रिपुरी (अब जबलपुर) थी,** 9वीं शताब्दी में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस शाखा के प्रथम प्रभावशाली शासक **कोक्कलदेव प्रथम** थे, जिन्होंने प्रतिहार सम्राट भोज प्रथम और **राष्ट्रकूट नरेश कृष्ण द्वितीय** को पराजित किया। इसके परिणामस्वरूप कलचुरियों के राष्ट्रकूटों **के साथ वैवाहिक** संबंध स्थापित हुए।

- **धर्म को शाही संरक्षण:**
  - कलचुरी शासक, विशेष रूप से **युवराज प्रथम**, **ब्राह्मण धर्म** के प्रबल संरक्षक थे और उन्होंने शैव संप्रदाय को विशेष संरक्षण प्रदान किया।
  - उन्होंने धार्मिक प्रतिष्ठानों के लिये अनेक **भूमि अनुदान** दिये और **युवराज प्रथम** ने **दुर्वासा जैसे शैव संतों** का समर्थन किया, जिन्होंने **गोलकि मठ** की स्थापना की।
  - कलचुरियों ने **शैव, शाक्त,** जैन **और** बौद्ध धर्म सहित विविध धार्मिक परंपराओं को संरक्षण दिया।
  - कलचुरियों के समय में **योगिनी पंथ** प्रचलित था, जिसकी झलक खजुराहो, **भेराघाट** और **शहडोल** के मंदिरों में देखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने इंदौर में मिल्क पाउडर प्लांट का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **11 अक्तूबर, 2025** को मध्य प्रदेश के **इंदौर** में एक **मिल्क पाउडर प्लांट** का **वर्चुअली/आभासी उद्घाटन** किया।

- यह सुविधा कई **कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं** के हिस्से के रूप में शुरू की गई, जिनका उद्घाटन नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। यह पहल सरकार की **ग्रामीण और** कृषि आधारित अर्थव्यवस्था **को सुदृढ़ करने** की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह प्लांट **इंदौर को-ऑपरेटिव मिल्क यूनियन** द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के तहत शुरू किया गया है। 76.5 करोड़ रुपए की इस सुविधा की **दैनिक मिल्क पाउडर उत्पादन क्षमता 30 मीट्रिक टन** है।
- **उद्देश्य:** दुग्ध का **मूल्य संवर्द्धन,** डेयरी किसानों के लिये उचित मूल्य सुनिश्चित करना और मध्य प्रदेश के डेयरी क्षेत्र में **सहकारी-नेतृत्व वाली वृद्धि को प्रोत्साहन** प्रदान करना।
- **लक्ष्य:** मध्य प्रदेश का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में भारत के कुल दुग्ध उत्पादन में अपने **वर्तमान 9% हिस्से को 20% तक बढ़ाना** है।
  - राज्य सरकार **दुग्ध का उचित मूल्य दिलाने** और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से निरंतर सहयोग प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।
- **महत्त्व:** नया मिल्क प्लांट ग्रामीण डेयरी क्षेत्र में मूल्य संवर्द्धन और रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देता है, साथ ही **आत्मनिर्भरता को सुदृढ़** करते हुए **सहकारिता संस्थाओं** तथा **महिलाओं को सशक्त** बनाता है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD)

- **सारांश:** यह योजना वर्ष 2014 में प्रारंभ की गई थी और वर्ष 2021 में पुनर्गठित की गई। यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना (Central Sector Scheme) है, जिसे मत्स्यपालन, पशुपालन तथा डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत **पशुपालन एवं डेयरी विभाग** द्वारा संचालित किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उद्देश्य:** डेयरी अवसंरचना को सुदृढ़ करना, तकनीकी सहायता के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ाना, किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करना और लाभकारी दुग्ध संघों एवं यूनियनों का पुनरुद्धार करना।
- **घटक:**
  - **डेयरी अवसंरचना: दुग्ध सहकारी समितियों (Dairy Cooperative Societies- DCS)** तथा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों (Milk Producer Companies - MPC) के माध्यम से दुर्गम एवं पिछड़े क्षेत्रों में दूध शीतलन संयंत्र, परीक्षण प्रयोगशालाएँ और प्रमाणन प्रणालियाँ जैसी आवश्यक सुविधाएँ विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
  - **सहकारिता के माध्यम से डेयरी (Dairying through Cooperatives- DTC):** यह **जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा समर्थित एक पहल है, जिसका उद्देश्य नौ राज्यों में उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को सुधारकर सतत् डेयरी सहकारिताओं को प्रोत्साहित करना है।

भारत के पहले स्मार्ट मोबाइल शौचालयों के लिये राष्ट्रीय मानक

चर्चा में क्यों ?

IIT इंदौर भारत के पहले **मोबाइल शौचालयों के राष्ट्रीय मानक** विकसित करने का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें UV स्टरलाइज़ेशन, सौर ऊर्जा **और ऑन-साइट वेस्ट-टू-एनर्जी सिस्टम** जैसी आधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह स्मार्ट शौचालय मॉडल पारंपरिक स्वच्छता प्रणालियों की चुनौतियों को दूर करने का प्रयास करता है, जो **मैनुअल सफाई, ग्रिड बिजली** और **अधिक जल की खपत** पर निर्भर है।
    - **प्रस्तावित ढाँचा:** यह ढाँचा भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) को प्रस्तुत किया जाएगा और यह **स्थानीय निकायों, उद्योगों और आयोजन आयोजकों** के लिये मोबाइल स्वच्छता अवसंरचना का राष्ट्रीय मानक बन सकता है।
- **विशेषताएँ:**
    - **स्वचालन और स्मार्ट डिज़ाइन:** रियल-टाइम स्वच्छता निगरानी तथा रखरखाव अलर्ट के लिये IoT सेंसर शामिल।
    - **सततता: सौर ऊर्जा** द्वारा संचालित, **UV-आधारित स्टरलाइजेशन** और **वेस्ट-टू-एनर्जी** रूपांतरण के साथ।
    - **सुरक्षा और पहुँच में सुधार: महिलाओं की सुरक्षा** तथा **गरिमा** पर ध्यान, सुरक्षित प्रवेश प्रणाली, **एर्गोनोमिक डिज़ाइन** और बेहतर प्रकाश व्यवस्था।
- **अनुप्रयोग:** इस मॉडल को सिंहस्थ 2028, **उज्जैन** के दौरान अपनाने का प्रस्ताव है, जो **15 करोड़ से अधिक आगंतुकों** को आकर्षित करने की संभावना वाला आयोजन है।
    - इसका कार्यान्वयन बड़े समारोहों में पर्यावरण के अनुकूल और कुशल मोबाइल सुविधाओं के माध्यम से स्वच्छता प्रबंधन में क्रांति ला सकता है।
- **वैश्विक दृष्टिकोण:** ढाँचे के विकास के लिये, **IIT इंदौर** की टीम ने **UK, जर्मनी, फ्राँस और स्विट्ज़रलैंड** की वैश्विक स्वच्छता प्रणालियों का अध्ययन किया तथा **स्वचालन एवं सततता में सर्वोत्तम प्रथाओं** को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल एक **स्वदेशी डिज़ाइन** में समाहित किया।

लोकपथ मोबाइल ऐप

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने **लोकपथ मोबाइल एप्लिकेशन** को सशक्त बनाने का निर्णय लिया है। यह एप्लिकेशन **सार्वजनिक कार्य विभाग** (PWD) के अंतर्गत **मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन** (MPSEDC) द्वारा विकसित किया गया है। नए अपडेट के तहत इसमें **राज्य राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट डेटा** को शामिल किया जाएगा, जिससे केवल निम्नस्तरीय सड़कों की रिपोर्टिंग ही नहीं बल्कि **सड़क सुरक्षा को भी बढ़ावा** मिलेगा।

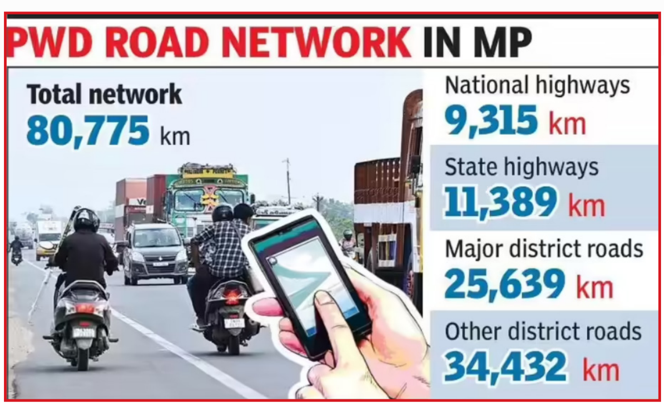

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** लोकपथ मोबाइल ऐप का उद्घाटन **मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव** ने **2 जुलाई, 2024** को किया।
  - यह ऐप नागरिकों को **गड्ढों या सतह क्षति** जैसी सड़क संबंधी समस्याओं की रिपोर्ट **मोबाइल फोन से सीधे फोटो अपलोड** करके करने की सुविधा प्रदान करता है।
  - शिकायत सबमिट होने के बाद यह **स्वचालित रूप से संबंधित अधिकारी** को भेजी जाती है, जिसे **सात दिनों के भीतर समस्या हल करने** और **ऐप के माध्यम से की गई कार्रवाई अपडेट करने** का निर्देश है।
- **नए फीचर/विशेषता:** उन्नत संस्करण के तहत **लोकपथ ऐप** यात्रियों को **PWD-निर्धारित राज्य राजमार्गों** पर **दुर्घटनाग्रस्त (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्रों** के संबंध में **अलर्ट** देगा।
  - राज्य में **400 से अधिक ब्लैक स्पॉट** पहचाने गए हैं, जिन्हें जल्द ही ऐप में मैप किया जाएगा।
  - जबकि सरकार इन स्थानों पर **इंजीनियरिंग समाधान** लागू कर रही है, ऐप-आधारित अलर्ट **अत्यधिक गति और जागरूकता की कमी** से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने में सहायता करेंगे।
  - ब्लैक स्पॉट अलर्ट के अतिरिक्त ऐप में जल्द ही **यूज़र-फ्रेंडली फीचर्स,** जैसे कि **निकटवर्ती रेस्तराँ और होटलों का पता** लगाना, जो यात्रा सहायता के लिये एक अधिक व्यापक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।
- **महत्त्व:** लोकपथ ऐप में **सड़क सुरक्षा अलर्ट** का समावेश सरकार के **प्रौद्योगिकी और जनकल्याण को जोड़ने** के प्रयास को दर्शाता है, जिससे नागरिक **सड़क रख-रखाव** तथा **सुरक्षा** में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

सड़क सुरक्षा ऐप 'संजय' लॉन्च

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने **"डेटा-ड्रिवन हाइपरलोकल इंटरवेंशंस"** (DDHI) कार्यशाला को संबोधित करते हुए ज़ोर देकर कहा कि **किसी भी जल्दबाज़ी या आपात स्थिति में भी सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन उचित नहीं** ठहराया जा सकता और नागरिकों से आग्रह किया कि सुरक्षा को **"एक आदत, न कि अपवाद"** (A habit, not an exception) बनाएँ।

- कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिये **'संजय' ऐप** का भी उद्घाटन किया। इस कार्यशाला का मुख्य फोकस सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये स्थानीय स्तर पर **डेटा-आधारित समाधानों** पर था।

मुख्य बिंदु

- **सड़क सुरक्षा ऐप:** उन्नत सड़क सुरक्षा ऐप **'संजय'** सड़क सुरक्षा प्रबंधन को आधुनिक बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है। यह वास्तविक समय में ट्रैफिक अपडेट प्रदान करता है, सड़क की स्थिति की निगरानी करता है और उपयोगकर्त्ताओं को दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों के संबंध में सचेत करता है।
  - यह अधिकारियों को भी ट्रैफिक डेटा ट्रैक और विश्लेषण करने की सुविधा प्रदान करता है, ताकि सूचित निर्णय लिये जा सकें तथा समग्र सड़क सुरक्षा रणनीतियों में सुधार किया जा सके।
- **प्रकाशन:** इस अवसर पर **मुख्यमंत्री** ने **"रोड सेफ्टी एजुकेशन सिस्टम"** नामक पुस्तक और **"रोड सेफ्टी"** पर **IIT मद्रास** द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट भी जारी की, जो शिक्षा तथा डेटा-आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से सड़क सुरक्षा सुधार के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **थीम:** **मुख्यमंत्री** ने ज़ोर देकर कहा कि कार्यशाला की थीम **'हर मोड़ पर सुरक्षित'** (Every turn safe) को पूरे मध्य प्रदेश में एक संस्कृति के रूप में स्थापित किया जाना चाहिये।
- **सहयोग:** **कार्यशाला के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग** (PWD) मंत्री राकेश सिंह ने दो अलग-अलग **समझौता ज्ञापन** (MoU) पर भी हस्ताक्षर किये:
  - **IIT मद्रास के साथ MoU:** यह सहयोग सड़क सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिये डेटा-आधारित रणनीतियों के विकास पर केंद्रित है।
  - **SaveLIFE फाउंडेशन के साथ MoU:** यह साझेदारी सड़क सुरक्षा पर **सामुदायिक भागीदारी** और जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से है।

मध्य प्रदेश में पहली बार कोदो-कुटकी का उपार्जन

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश की कैबिनेट ने **पहली बार** प्रमुख मोटे अनाज उत्पादक ज़िलों के किसानों से **कोदो और कुटकी (मोटे अनाज)** की खरीदी करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** कोदो और कुटकी का उपार्जन **'रानी दुर्गावती श्री-अन्न प्रोत्साहन योजना'** के तहत किया जाएगा।
  - **उपार्जन ज़िले:** प्रमुख उत्पादन वाले ज़िले जैसे- **जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनुपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी तथा सिंगरौली** को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि अन्य ज़िलों को उनकी आवश्यकता के अनुसार शामिल किया जाएगा।
- **एजेंसी:** उपार्जन की प्रक्रिया **श्री-अन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर-प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड** (Shri Ann Federation) द्वारा संचालित की जाएगी।
  - फेडरेशन लगभग 30,000 मीट्रिक टन मोटे अनाज खरीदेगा, जिसमें कुटकी की प्रति क्विंटल कीमत 3,500 रुपए और कोदो की प्रति क्विंटल कीमत 2,500 रुपए तय की गई है।
- **वित्तीय सहायता:** श्री-अन्न फेडरेशन को राज्य के **मूल्य स्थिरीकरण कोष** से **80 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण** मिलेगा।
- **किसान प्रोत्साहन:** किसानों के बैंक खातों में **प्रति क्विंटल 1,000** रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (Direct Benefit Transfer- DBT) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।
- **कोदो और कुटकी:**
  - कोदो और कुटकी मिलेट्स के प्रकार हैं, जिनके वनस्पतिक नाम क्रमशः *Paspalum scrobiculatum* तथा *Panicum sumatrense* हैं।
  - दोनों अनाजों को चावल की तरह ही खाया जा सकता है।
  - कोदो में **100 ग्राम में 8.3 ग्राम प्रोटीन** होता है, जबकि कुटकी में **100 ग्राम में 7.7 ग्राम प्रोटीन** होता है।

रानी दुर्गावती श्री-अन्न प्रोत्साहन योजना

- **उद्देश्य:** रानी दुर्गावती श्री-अन्न प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य **मोटे अनाज (श्री-अन्न) उत्पादक किसानों** का समर्थन करना है, उनके उत्पादों के लिये **न्यायसंगत मूल्य सुनिश्चित** करना और इस प्रकार अधिक किसानों को मोटे अनाज की खेती में संलग्न होने के लिये प्रोत्साहित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह योजना **अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान करने** और मोटे अनाज, विशेष रूप से **कोदो तथा कुटकी**, के **मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग को मज़बूत बनाने** का भी उद्देश्य रखती है, ताकि इन उत्पादों के लिये राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक **विशिष्ट पहचान** स्थापित की जा सके।
- **उपार्जन और समर्थन:** राज्य सरकार और फेडरेशन किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर कोदो तथा कुटकी का उपार्जन करते हैं, साथ ही **डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT)** के माध्यम से प्रति क्विंटल अतिरिक्त 1,000 रुपए प्रदान किया जाता है।
- **क्षमता निर्माण और विपणन:** यह योजना **मोटे अनाज किसानों की क्षमता निर्माण** पर ध्यान केंद्रित करती है, कोदो और कुटकी के लिये **विशेष पैकेजिंग तथा ब्रांडिंग गतिविधियों** को बढ़ावा देती है एवं उनके उत्पादों के लिये **न्यायसंगत मूल्य सुनिश्चित करने हेतु बेहतर विपणन प्रणाली** स्थापित करने का लक्ष्य रखती है।
- **फेडरेशन का गठन:** मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और विपणन में शामिल फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन (FPO) तथा समूहों को **राज्य स्तरीय फेडरेशन** के रूप में संगठित किया जाता है।
  - यह फेडरेशन **मोटे अनाज के लिये वैल्यू चेन विकसित करने** में सहायक है और कोदो व कुटकी की खेती में संलग्न किसानों की आय बढ़ाने में योगदान देता है।
- **शासन और निगरानी:** यह योजना वर्ष 2013 के कंपनियों अधिनियम के तहत संचालित होती है, जिसमें फेडरेशन को **कंपनी के रूप में** गठित किया गया
  - एक सशक्त **निगरानी तंत्र** कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत स्थापित किया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी **यथोचित क्रियान्वयन, नियमित मूल्यांकन** सुनिश्चित करेंगे तथा **हितधारकों से संबंधी समस्याओं का समाधान** करेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मध्य प्रदेश से बाघों का पड़ोसी राज्यों में पुनर्वास

चर्चा में क्यों ?

भारत का 'बाघ राज्य' मध्य प्रदेश, जिसमें देश की सबसे बड़ी बाघ जनसंख्या है, **अंतर-राज्यीय संरक्षण योजना** के तहत एक बाघ और नौ बाघिनों को ओडिशा, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में पुनर्वास करेगा। यह कदम ओडिशा में पहले असफल प्रयास के बाद उठाया गया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** बाघों का पुनर्वास एक **अंतर-राज्यीय वन्यजीव सहयोग पहल** का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कम जनसंख्या वाले अभ्यारणों में बाघों की संख्या बढ़ाना और भारत के समग्र संरक्षण नेटवर्क को प्रबल करना है।
  - मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यजीव संरक्षक ने तीनों राज्यों के समकक्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर बाघ पुनर्वास के लिये आवश्यक तैयारियाँ करने का निर्देश दिया है।
- **प्रारंभिक उपाय:** राज्यों से निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत करने के लिये कहा गया है:
  - बाड़ों और शिकार प्रजातियों की उपलब्धता
  - ट्रैकिंग के लिये रेडियो कॉलर की स्थापना
  - जल संसाधनों की स्थिति
  - रिहाई स्थलों के आस-पास **मानव हस्तक्षेप** की स्थिति

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अनुमोदन:** यह पहल **मुख्यमंत्री मोहन यादव** की स्वीकृति के बाद **राज्य वन्यजीव बोर्ड की 30वीं बैठक** में मंज़ूरी प्राप्त हुई।
- **स्रोत अभ्यारण:** पुनर्वास के लिये बाघों को **कान्हा**, **बांधवगढ़ एवं पेंच टाइगर रिज़र्व** से स्थानांतरित किया जाएगा, जिनकी बाघ जनसंख्या स्थिर और बढ़ती हुई है।
- **कार्यान्वयन:** पुनर्वास तब शुरू होगा जब **स्वास्थ्य जाँच पूरी हो, संगरोध प्रोटोकॉल पारित हों** और तीनों प्राप्तकर्त्ता राज्यों में **अंतिम लॉजिस्टिक व्यवस्थाएँ** पूरी हो जाएँ।
- **महत्त्व:** यह पहल महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह **घने आवासों में जनसंख्या दबाव कम करने, आनुवंशिक विविधता बढ़ाने (Gene Flow) तथा कम संख्या वाले अभ्यारणों में पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने** में सहायता करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

छतरपुर ब्रुअरी से विषाक्त अपशिष्ट के निस्तारण की जाँच हेतु NGT ने आदेश जारी किये

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने मध्य प्रदेश के **छतरपुर में एक ब्रुअरी** के विरुद्ध **स्वतः संज्ञान (suo motu) कार्रवाई** शुरू की है। यह कार्रवाई उस पर **पर्यावरणीय क्षति** और **विषाक्त अपशिष्ट जल** के उत्सर्जन के कारण जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरे उत्पन्न करने के गंभीर आरोपों के मद्देनज़र की गई है।

मुख्य बिंदु

- **पर्यावरणीय प्रदूषण:** ब्रुअरी से निकले रासायनिक अपशिष्ट ने एक किलोमीटर तक के जल स्रोतों को प्रदूषित कर दिया है और पाँच किलोमीटर के दायरे में फैली तीव्र दुर्गंध से दर्जनों गाँवों के लोगों को प्रभावित किया है।
- **गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव:** स्थानीय निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की है, जैसे सिरदर्द, आँखों में जलन, श्वसन संबंधी कठिनाइयाँ और वमन (उल्टी होना)। प्रदूषित जल तथा वायु के कारण दीर्घकालीन जोखिमों में किडनी रोग एवं अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ शामिल हैं।
- **NGT की न्यायिक प्रतिक्रिया:** NGT की एक पीठ ने छतरपुर के ज़िला कलेक्टर और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB) को शामिल करते हुए एक संयुक्त समिति गठित की है, जो जाँच कर **छह सप्ताह के भीतर कार्रवाई की रिपोर्ट** प्रस्तुत करेगी।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

- **उत्पत्ति: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal- NGT)** की स्थापना **NGT अधिनियम, 2010** के तहत की गई थी, ताकि **पर्यावरणीय मामलों में न्यायिक निर्णय** लिया जा सके और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विवादों का प्रभावी तथा त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।
- **अधिकार:** अधिकरण को सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत सिविल न्यायालय के समान अधिकार प्राप्त हैं। हालाँकि यह सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 से आबंधित नहीं है और **प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों** के आधार पर कार्य करता है।
- **सदस्य: NGT के सदस्य पाँच वर्षों की अवधि** के लिये या **65 वर्ष** की आयु तक पद पर रहते हैं और उन्हें **पुनः नियुक्ति का अधिकार नहीं** है।
- **पात्रता: NGT के अध्यक्ष** के लिये आवश्यक है कि वह या तो **सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश** हो या **किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश** हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मामलों के त्वरित समाधान हेतु एक विशेष निकाय है।

परिचय

- **स्थापना:** राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत
- **उद्देश्य:** पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संबंधी मामलों का त्वरित समाधान
- **मामले का समाधान:** 6 माह के अंदर
- **मुख्यालय: नई दिल्ली (मुख्यालय)**, भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई

संरचना

- **संरचना:** अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य
- **कार्यकाल:** 5 वर्ष तक/65 वर्ष की आयु तक (पुनर्नियुक्ति नहीं)
- **नियुक्तियाँ:** अध्यक्ष - केंद्र सरकार (भारतीय मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से)
  - 10-20 न्यायिक सदस्य और 10-20 विशेषज्ञ सदस्य - चयन समिति

भारत विश्व स्तर पर तीसरा देश है (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बाद) साथ ही NGT जैसा विशेष पर्यावरण अधिकरण स्थापित करने वाला पहला विकासशील देश भी है।

शक्तियाँ और अधिकार क्षेत्र

- **अधिकार क्षेत्र:** पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अधिकारों पर दीवानी मामले
- **स्वप्रेरणा से अधिकार (Suo Motu Powers):** वर्ष 2021 से प्रदान किये गए
- **भूमिका:** न्यायिक, निवारक और उपचारात्मक
- **प्रक्रिया:** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है
  - CPC, 1908 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के तहत बाध्य नहीं
- **सिद्धांत:** सतत् विकास; निवारक (Precautionary); प्रदूषक भुगतान (Polluter Pays)
- **आदेश:** सिविल कोर्ट के आदेशों के अनुसार निष्पादन योग्य; राहत और मुआवज़ा प्रदान करता है **(निर्णय बाध्यकारी हैं)**
- **अपील:** अधिकरण अपने निर्णयों की समीक्षा कर सकता है।
  - यदि निर्णय विफल हो जाता है - 90 दिनों के अंदर उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिये

NGT निम्नलिखित के तहत सिविल मामलों का समाधान करता है

- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977
- वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
- वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991
- जैव-विविधता अधिनियम, 2002

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भावांतर योजना

मध्य प्रदेश में 'भावांतर' योजना में किसान पंजीकरण में **तीन गुना वृद्धि** देखी गई है, जो **9.36 लाख** तक पहुँच गई है, जो सरकार की मूल्य संरक्षण पहल में सुदृढ़ भागीदारी और विश्वास को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: भावांतर योजना एक मूल्य घाटा भुगतान योजना** है जिसका उद्देश्य किसानों को **वित्तीय नुकसान से बचाने के लिये बाज़ार मूल्यों और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** के बीच के अंतर को पाटना है।
  - यह योजना विशेष रूप से मध्य प्रदेश, जिसे अक्सर देश का **"सोयाबीन का कटोरा"** कहा जाता है के **सोयाबीन** और **बाजरा किसानों** को लक्षित करती है।
- **प्रक्रिया:** किसानों को बोआई से पहले अपनी व्यक्तिगत जानकारी और फसल क्षेत्र का विवरण **राज्य प्राधिकरणों** के साथ **पंजीकृत** करना होता है तथा अपनी उपज को **सरकारी अधिसूचित मंडियों** में बेचना अनिवार्य होता है।
  - सरकार **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)/ मॉडल प्राइस** तय करती है और औसत बाज़ार मूल्यों के आधार पर **एक मॉडल दर (Model Rate)** की गणना करती है। इसके साथ ही किसान द्वारा प्राप्त वास्तविक बिक्री मूल्य को दर्ज किया जाता है।
  - **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** उस अंतर के बराबर होता है, जो MSP/मॉडल प्राइस या मॉडल दर (इनमें से जो अधिक हो) और किसान के वास्तविक बिक्री मूल्य के बीच होता है। यह राशि सीधे किसान के बैंक खाते में **जमा** की जाती है।
- **लाभ:**
  - **मूल्य जोखिम से सुरक्षा:** किसानों को **बाज़ार में मूल्य उतार-चढ़ाव** से बचाव प्रदान करती है और उन्हें उचित मूल्य सुनिश्चित करती है।
  - **राजकोषीय भार में कमी:** इस योजना से **खरीद, भंडारण और परिवहन** पर होने वाले खर्चों से बचाव होता है।
  - **बाज़ार स्वतंत्रता को प्रोत्साहन:** किसान अधिसूचित मंडियों में **किसी भी खरीदार** को अपनी उपज बेच सकते हैं।
  - **पारदर्शिता: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** प्रणाली के माध्यम से **भुगतान सीधे और समय पर किसानों को मिलता है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावना घटती** है।
- **चुनौतियाँ:**
  - **क्रियान्वयन संबंधी बाधाएँ:** पंजीकरण, भुगतान में विलंब और तकनीक संबंधी कमियाँ योजना के सुचारु संचालन में बाधा उत्पन्न करती हैं।
  - **डेटा की सटीकता:** मॉडल दर (Model Rate) वास्तविक बाज़ार मूल्यों को सही रूप से प्रदर्शित नहीं कर पाती, जिससे किसानों को पर्याप्त मुआवज़ा नहीं मिल पाता।
  - **व्यापारी मिलीभगत:** मंडी व्यापारियों द्वारा कीमतें जानबूझकर कम रखने की आशंका बनी रहती है।
  - **सीमित फसल कवरेज:** यह योजना प्राय: केवल कुछ **तेलबीजों और दलहनों** तक ही सीमित रहती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स)

- **परिचय:** सोयाबीन एक प्रमुख फसल है, जिसे तेल और प्रोटीन के लिये उगाया जाता है। विश्व स्तर पर इसका उत्पादन लगभग **176.6 मिलियन टन** है, जो **75.5 मिलियन हेक्टेयर** क्षेत्र में किया जाता है।
- **उगाने की परिस्थितियाँ:** सोयाबीन मुख्यत: **वर्षा आधारित (रेनफेड)** परिस्थितियों में उगाई जाती है, हालाँकि हाल के वर्षों में **पूरक सिंचाई** का उपयोग भी बढ़ा है।
  - यह फसल **उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जलवायु** के लिये उपयुक्त है, **35°C** से अधिक या **18°C** से कम तापमान पर इसकी वृद्धि धीमी पड़ जाती है।
- **मुख्य उत्पादक:** भारत में सोयाबीन के प्रमुख उत्पादक राज्य **मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान** हैं। वैश्विक स्तर पर सोयाबीन के शीर्ष उत्पादक देश **ब्राज़ील, संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका)** और **अर्जेंटीना** हैं।

हेलीकॉप्टर-संचालित बोमा तकनीक

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश वन विभाग ने भारत में पहली बार **पश्चिमी हिस्सों** में फसल क्षति हेतु ज़िम्मेदार काले हिरण (ब्लैकबक) **और** नीलगाय को पकड़ने तथा स्थानांतरित करने के लिये हेलीकॉप्टर-संचालित **बोमा तकनीक** शुरू की है, जो वन्यजीव प्रबंधन में एक विशिष्ट कदम है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह अभियान शाजापुर ज़िले के कालापीपाल क्षेत्र में शुरू किया गया, जहाँ **काले हिरण (ब्लैकबक) और नीलगाय** ने **खड़ी फसलों** को व्यापक क्षति पहुँचाई है, जिससे किसानों के लिये बड़ी चुनौती उत्पन्न हुई है।
  - यह शाजापुर में दस दिवसीय पायलट अभियान का उद्देश्य **किसानों की फसलों की सुरक्षा करना और सुरक्षित, वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन को प्रोत्साहन प्रदान करना** है तथा इसकी सफलता पर आधारित इस पहल को मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में दोहराने की योजना है।
  - पहले दिन हेलीकॉप्टर-संचालित बोमा तकनीक का उपयोग करके 45 काले हिरण (ब्लैकबक) को पकड़ा गया और 15-सदस्यीय दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ टीम की देख-रेख में लगभग 275 किलोमीटर दूर गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया।
- **बोमा तकनीक: बोमा तकनीक अफ्रीका में विकसित एक वन्यजीव पकड़ने और स्थानांतरित** करने की विधि है।
  - इसमें **हेलीकॉप्टर** और **शंकु-आकार के बाड़े (बोमा)** का उपयोग करके पशुओं को सुरक्षित रूप से पकड़ने वाले क्षेत्र में लाया जाता है।
  - यह विधि पशुओं पर तनाव और चोट लगने की संभावना को न्यूनतम करती है, जिससे उनका **सुरक्षित तथा कुशल स्थानांतरण** सुनिश्चित होता है।
- **गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य:**
  - यह **मध्य प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी** भाग में, राजस्थान की सीमा के पास स्थित है और इसका क्षेत्रफल 368 वर्ग किलोमीटर है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह **सवाना, खुले** घास के मैदान, शुष्क पर्णपाती वन और नदी किनारे वाले क्षेत्रों का **विविध पारिस्थितिकी तंत्र** प्रस्तुत करता है तथा इसे एक महत्त्वपूर्ण पक्षी एवं जैवविविधता क्षेत्र (IBA) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- अभयारण्य की वनस्पति **खथियार-गिर शुष्क पर्णपाती वन पारिस्थितिकी क्षेत्र** की विशेषता को दर्शाती है।

काला हिरण (Blackbuck)

- **परिचय:**
  - यह घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का **प्रमुख संकेतक** है।
  - मुख्य रूप से यह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा जैसे राज्यों के **खुले घास के मैदानों** तथा झाड़ी वाले क्षेत्रों में निवास करता है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंताजनक (Least Concern)
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची I
  - **CITES:** परिशिष्ट III

नीलगाय (Blue Bull)

- **परिचय:**
  - **एशिया का सबसे बड़ा एंटीलोप,** जो **बोविडे (Bovidae) कुल** से संबंधित है और भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी है।
  - **हल्के वनाच्छादित वनों, झाड़ियों, घास के मैदानों एवं कृषि क्षेत्रों** में निवास करता है और अक्सर **मानव बस्तियों** के आस-पास देखा जाता है।
- **वितरण: भारत, नेपाल और पाकिस्तान** में पाया जाता है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंताजनक (Least Concern)
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची III

मध्य प्रदेश मंत्रिपरिषद ने प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी प्रदान की

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में **मध्य प्रदेश मंत्रिपरिषद** ने कई महत्त्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों को मंज़ूरी प्रदान की है, जिनमें **शून्य-ब्याज वाली कृषि ऋण योजना की निरंतरता, ज़िला अस्पतालों का विस्तार, नए एक्सप्रेस-वे का शुभारंभ** और वर्ष 2025-30 के लिये संधारणीय विकास लक्ष्यों (SDG) **मूल्यांकन योजना** का कार्यान्वयन शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

MEGA INFRA LEAP COMING

Madhya Pradesh is being linked with a web of new expressways. The state would get 3368 km of expressways at a cumulative cost of ₹36483 cr over the next four years. The new road projects would connect urban centres to the remotest corners of the state;

WHAT ARE THE NEW E-WAYS?

The new expressways include Narmada Pragati path, Vindhya expressway, Malwa-Nimar Vikas Path, Atal Pragati Path, Bundelkhand Vikas Path, Madhya Bharat Vikas Path

PROGRESS OF WORK SO FAR

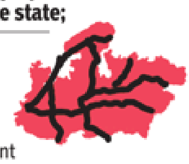

Barring the Atal Pragati path, work is in progress on the remaining five expressways. The road projects would be ready for vehicular movement between December 2027 and December 2028. The projects are being commissioned and developed by state PWD

WHAT IS AN E-WAY?

An expressway is a high-speed, controlled-access highway designed for efficient, uninterrupted travel. These roads typically have multiple divided lanes, no intersections, and regulated entry/exit points, allowing for high speeds and reducing accidents

Atal Pragati Path

- Of the **415-km-long** greenfield e-way, **299 km lies within Madhya Pradesh**
- Project proposed to come up on the state's northern border, **near the banks of the Chambal River**
- The e-way would begin at the Delhi-Mumbai Industrial Corridor and end at **the Bundelkhand Expressway in the east**
- The total estimated cost is **₹12227** crore
- It will be built in 8 phases after finalising the tenders
- The completion deadline is **Dec 2029**
- Project currently caught up in political wrangling over finalisation of the route

Madhya Bharat Vikas Path

- **Project spans** a total of **746 kms**
- **It will connect** the northern border of the region (Morena) to the southern border (Betul)
- It will also link top tourist destinations such as Bori Wildlife Sanctuary, Bhimbetka, Bhojpur, Sanchi, Udayagiri, Chanderi, Orchha, and Datia
- Project cost pegged at **₹3819** crore
- Deadline for the project is **Dec 2028**

Bundelkhand Vikas Path

- Project spans **330 kms, including 180 km from Bhopal to Sagar and 190 kms from Sagar to Chhatarpur**
- Project will connect Bhopal to Chhatarpur
- Project cost pegged at **₹3357** crore
- Deadline for completing project is **Dec 2027**

Vindhya Expressway

- This project spans **676 kms, covering 10 districts of MP**
- The e-way would connect Bhopal with the Singrauli district
- The project is pegged at **₹3809** crore
- The districts to be covered by **the project include Bhopal, Sagar, Damoh, Katni, Rewa, Sidhi and Singrauli**
- The deadline is **June 2029**

Malwa-Nimar Vikas Path

- **The total length** of the project is **450kms**
- The project cost is estimated to be **₹7972** crore
- **The project would link** Burhanpur, Khandwa, Indore, Ujjain and Garoth
- The deadline is **Dec 2027**

- **Atal Pragati Path** would run across three dists: Sheopur, Bhind and Morena
- **Vindhya Expressway** links Bhopal with Singrauli
- **Madhya Bharat Vikas Path** to link top tourist hotspots of MP
- **Narmada Pragati Path** runs from Jhabua to Amarkantak
- **Bundelkhand Vikas Path** to connect Bhopal to Chhatarpur through Sagar
- **Malwa-Nimar Vikas Path 4** connects Burhanpur to Garoth

Narmada Pragati Path

- **The total length** of the project is **867kms**
- The project cost is pegged at **₹5299** crore
- The work is to be carried out in phases
- All phases are likely to be completed **by Dec 2028**
- **It would extend till NH-45E** (Bilaspur and Raipur in Chhattisgarh) in the east and NH-59 (the Gujarat side of Delhi-Mumbai industrial corridor) in the west

(Compiled by **Ankur Sirothia**)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **शून्य-ब्याज वाली कृषि ऋण योजना:**
  - मंत्रिपरिषद ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिये प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (PACS) के माध्यम से **0% ब्याज** पर **अल्पकालीन कृषि ऋण योजना** को जारी रखने की मंज़ूरी दी है।
    - यह योजना **वर्ष 2012-13** से संचालित है, किसानों का ऋण बोझ कम करने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई है।
  - जो किसान **3 लाख** रुपए **तक का ऋण** लेते हैं और उसे नियत तिथि तक चुका देते हैं, उनसे कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा।
- **सड़क अवसंरचना:**
  - महत्त्वपूर्ण अवसंरचना पहल के तहत, मध्य प्रदेश अगले **चार वर्षों (2024-28) में 3,368 किमी. एक्सप्रेस-वे 36,483 करोड़** रुपए की लागत से विकसित करने जा रहा है।
  - ये एक्सप्रेस-वे **शहरी केंद्रों को दूर-दराज़ के क्षेत्रों से जोड़ने, व्यापार, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा पूरे राज्य में निर्बाध कनेक्टिविटी/संपर्क** प्रदान करने का उद्देश्य रखते हैं।
  - **सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD)** द्वारा अधिसूचित इन परियोजनाओं को **दिसंबर, 2027 और दिसंबर, 2028** के बीच पूरा किये जाने की संभावना है।
  - **प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे:**
    - नर्मदा प्रगति पथ (Narmada Pragati Path)
    - विंध्य एक्सप्रेस-वे (Vindhya Expressway)
    - मालवा-निमाड़ विकास पथ (Malwa-Nimar Vikas Path)
    - अटल प्रगति पथ (Atal Pragati Path)
    - बुंदेलखंड विकास पथ (Bundelkhand Vikas Path)
    - मध्य भारत विकास पथ (Madhya Bharat Vikas Path)
- **SDG मूल्यांकन योजना 2025-30:**
  - कैबिनेट ने राज्य, ज़िला और ब्लॉक लेवल पर **UN सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDG)** को लागू करने, मॉनिटर करने तथा इवैल्यूएट करने के लिये **सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDG) असेसमेंट प्लान** को मंज़ूरी प्रदान की।
  - कार्यान्वयन को सुगम बनाने हेतु **543 नियमित, 4 संविदात्मक और 263 अतिरिक्त पदों** को मंज़ूरी प्रदान की गई है, जिन पर **वार्षिक 39.50 करोड़ रुपए का व्यय** होगा।
  - एक **डैशबोर्ड-आधारित रैंकिंग प्रणाली** के माध्यम से सभी ज़िलों के SDG संकेतकों पर प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा।
  - **प्रोत्साहन:**
    - **प्रथम रैंक वाला ज़िला:** वार्षिक 1 करोड़ रुपए का अनुदान
    - **द्वितीय रैंक वाला ज़िला:** वार्षिक 75 लाख रुपए का अनुदान
- **ज़िला अस्पतालों का विस्तार:**
  - मंत्रिपरिषद ने पाँच ज़िला अस्पतालों- **टिकामगढ़, नीमच, सिंगरौली, श्योपुर और डिंडोरी में 800 बिस्तरों के उन्नयन तथा 810 नए पदों के सृजन** को मंज़ूरी दी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

   - इस निर्णय का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की क्षमता को प्रबल करना और अर्द्ध-शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं तक पहुँच बढ़ाना है।
- **न्यायपालिका को सुदृढ़ीकरण:**
   - मंत्रिपरिषद ने **तहसील मालथौन (सागर ज़िला) के** लिये **सात नए पदों** के सृजन को मंज़ूरी दी है, जिसमें **एक सिविल जज** और **छह सहायक कर्मचारी** उच्च न्यायालय रजिस्ट्रार के तहत शामिल हैं।
   - इस कदम का उद्देश्य न्यायिक दक्षता बढ़ा ना और स्थानीय स्तर पर मुकदमे की लंबित संख्या को कम करना है।

पीयूष पांडे का निधन

चर्चा में क्यों ?

पियूष पांडे, जिन्हें व्यापक रूप से भारतीय विज्ञापन का जनक कहा जाता है, का **24 अक्तूबर 2025** को **मुंबई** में निधन हो गया।
- उन्होंने **मध्य प्रदेश पर्यटन** की **ब्रांड पहचान** बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा ऐसे **अभियान** संचालित किये, जो राज्य की **प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और विरासत** को उजागर करते थे।

मुख्य बिंदु

- **पियूष पांडे के बारे में:**
   - उनका जन्म **जयपुर, राजस्थान में हुआ था** और उन्होंने रणजी ट्रॉफी में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने के बाद वर्ष 1982 में ओगिल्वी एंड माथर (अब ओगिल्वी इंडिया) में शामिल होकर अपना करियर शुरू किया।
   - इन वर्षों में, उन्होंने **ओगिल्वी इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष**, विश्वव्यापी मुख्य रचनात्मक अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया और बाद में वर्ष 2024 से ओगिल्वी के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य किया।
- **उल्लेखनीय सम्मान:**
   - पद्मश्री (2016)
   - LIA लेजेंड अवार्ड (2024)
   - कैनस लायंस फेस्टिवल में पहले एशियाई ज्यूरी अध्यक्ष

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भारतीय विज्ञापन में योगदान:**
  - उन्होंने **हिंदी भाषा** और **स्थानीय मुहावरों** को विज्ञापन फिल्मों में लोकप्रिय बनाकर **भारतीय विज्ञापन** में क्रांति ला दी तथा **पश्चिमी प्रभाव वाले कथानकों** का प्रभुत्व कम किया।
  - उन्होंने **राष्ट्रीय एकता गीत "मिले सुर मेरा तुम्हारा" की संकल्पना भी की,** जो एकता का एक परिभाषित सांस्कृतिक प्रतीक बन गया।
  - **उन्होंने मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग** के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रतिष्ठित विज्ञापन अभियान संचालित किये, जिनमें राज्य को **"अतुल्य भारत का हृदय" के रूप में प्रस्तुत किया गया,** जिससे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पर्यटन **आकर्षण में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई।**
- **प्रतिष्ठित अभियान:**
  - कैडबरी डेयरी मिल्क - कुछ खास है
  - फेविकोल – फेविकोल का जोड़
  - एशियन पेंट्स - हर घर कुछ कहता है
  - गूगल इंडिया – पुनर्मिलन
  - तालाब - गुगली वूगली वूश
  - वोडाफोन - ज़ूज़ूज़ और पग शुभंकर*
  - पोलियो अभियान - दो बूंद जिंदगी की (अमिताभ बच्चन के साथ)

इंदौर में FDTL का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने **इंदौर के तलावली चांदा** में नवनिर्मित **अत्याधुनिक खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला (FDTL)** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **वर्ष 1956 में राज्य के गठन के बाद पहली बार** भोपाल के बाहर संभाग **स्तरीय FDTL की** स्थापना की गई है।
  - यह भोपाल के बाद **मध्य प्रदेश में दूसरी ऐसी प्रयोगशाला है, जिसका निर्माण 8.30 करोड़ रुपए** की लागत से किया गया है।
- यह अन्य ज़िलों के लिये एक **आदर्श प्रयोगशाला** के रूप में कार्य करेगी, जिससे खाद्य एवं औषधि नमूनों का **तीव्र, पारदर्शी और कुशल परीक्षण सुनिश्चित होगा।**
- **तीसरी** FDTL प्रयोगशाला **तीन महीने** के भीतर **जबलपुर** में प्रारंभ होगी, चौथी चार महीने बाद **ग्वालियर** में तथा उसके बाद पाँचवीं **उज्जैन** में खोली जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने खाद्य और औषधि निर्माण या विक्रय में **मिलावट के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति** अपनाने पर ज़ोर दिया।
- यह पहल पारदर्शी और कुशल परीक्षण को बढ़ावा देकर, शुद्ध एवं प्रमाणित उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित कर, **नैतिक औद्योगिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हुए** एवं राज्य के **विनियामक ढाँचे की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करते हुए** मध्य प्रदेश की खाद्य तथा औषधि सुरक्षा अवसंरचना को मज़बूत करती है, ताकि जन-स्वास्थ्य **की बेहतर सुरक्षा** की जा सके।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

चर्चा में क्यों?

भारत में **2 अक्तूबर** को **महात्मा गांधी** के जन्म दिवस के सम्मान में **गांधी जयंती** के रूप में मनाया जाता है।

- इस दिन को **संपूर्ण विश्व** में **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि **वर्ष 2007** में **संयुक्त राष्ट्र** के एक प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया था, जिससे इसे **सार्वभौमिक महत्त्व** प्राप्त हुआ।

मुख्य बिंदु

महात्मा गांधी के बारे में:

- **जन्म:** महात्मा गांधी का जन्म **2 अक्तूबर, 1869** को **पोरबंदर (गुजरात)** में हुआ था।
- **संक्षिप्त परिचय:** वे एक प्रसिद्ध **वकील, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक** थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के **राष्ट्रवादी आंदोलन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पुस्तकें:** हिंद स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)
- **मृत्यु:** 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।
  - 30 जनवरी को **शहीद दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का नेतृत्व:** महात्मा गांधी 20वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय **राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बन गए और इन्होंने** ब्रिटिश शासन को चुनौती देने के लिये **अहिंसक प्रतिरोध तथा जन-आंदोलन की वकालत की।**
  - **वर्ष 1924 का बेलगाम अधिवेशन** कांग्रेस का एकमात्र ऐसा अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता गांधी जी ने की थी।
- **असहयोग आंदोलन (NCM) (1920-22):** गांधीजी ने **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** और दमनकारी **रॉलेट एक्ट की प्रतिक्रिया में NCM की शुरुआत की।**
  - उन्होंने **भारतीयों से ब्रिटिश संस्थाओं, वस्तुओं और सम्मानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया।**
  - गांधीजी को **बोअर युद्ध** में उनकी भूमिका के लिये **वर्ष 1915 में कैसर-ए-हिंद उपाधि से सम्मानित किया गया था** लेकिन उन्होंने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में **वर्ष 1920 में इसे वापस कर दिया था।**
- **दांडी मार्च (1930):** गांधीजी ने ब्रिटिश नमक कर के विरोध में गुजरात के तटीय **शहर दांडी तक नमक मार्च का नेतृत्व किया। इस क्रम में सविनय अवज्ञा आंदोलन** की शुरुआत हुई।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (QIM), 1942:** गांधीजी ने भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की मांग करते हुए QIM का आह्वान किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उनके नारे **"करो या मरो" ने लाखों लोगों को विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और सविनय अवज्ञा के कार्यों में भाग लेने के लिये प्रेरित किया,** जिससे स्वतंत्रता संग्राम में लोगों की भागीदारी में तथा अधिक वृद्धि हुई।
- **अहिंसा का दर्शन: अपने पूरे सक्रियता अभियान के दौरान गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा** के सिद्धांतों पर बल दिया तथा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की वकालत की।
    - **उनके दृष्टिकोण ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रभावित किया बल्कि नेल्सन मंडेला** और **मार्टिन लूथर किंग जूनियर** के नेतृत्व वाले विश्वव्यापी नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया।

राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

आयुष मंत्रालय ने **प्रो. बनवारी लाल** गौर, **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** और **वैद्य भावना प्रशर** को **आयुर्वेद** के क्षेत्र में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
    - यह पुरस्कार **आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित** किया गया है और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में **सर्वोच्च सम्मानों में से एक** माना जाता है।
    - यह आयुर्वेद के **प्रचार, संरक्षण और नवाचार** में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
    - वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेता आयुर्वेद के **तीन महत्त्वपूर्ण आयामों** का प्रतिनिधित्व करते हैं- **विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और वैज्ञानिक नवाचार।**
- **विजेता:**
    - **प्रो. बनवारी लाल गौर** आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत साहित्य में छह दशकों का योगदान देने वाले विद्वान तथा शिक्षाविद् हैं, जिन्हें राष्ट्रपति सम्मान सहित कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।
    - **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** केरल स्थित वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख हैं और 200-वर्षीय आयुर्वेदिक परंपरा की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
        - उन्हें आयुर्वेद को जीवंत और समुदाय-उन्मुख अभ्यास के रूप में संरक्षित तथा आधुनिक बनाने के लिये जाना जाता है।
- **वैद्य भावना प्रशर आयुर्जिनोमिक्स** (Ayurgenomics) में अग्रणी हैं, जिन्होंने आयुर्वेदिक प्रकृति अवधारणाओं को आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान से जोड़ा और उनके **योगदान को राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम** में एकीकृत किया गया।
- **महत्त्व:**
    - यह पुरस्कार **पारंपरिक विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और आधुनिक विज्ञान** के माध्यम से आयुर्वेद की **निरंतरता** तथा **विकास** को मान्यता देता है।
    - **एकीकृत एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा** में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करता है।
    - **पारंपरिक चिकित्सा और नवाचार** में भारत के **वैश्विक नेतृत्व** को मज़बूत करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

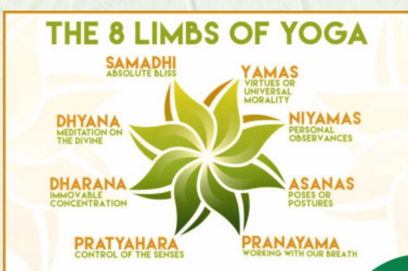

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्युमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्युमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन **लॉन्च किया,** जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से **युवाओं के नेतृत्व** और **नागरिक सहभागिता** को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) को **माई भारत पोर्टल** से एकीकृत करने की भी घोषणा की, जिससे देश भर में युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की व्यापक पहुँच और गहन प्रसार सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह एक ऑनलाइन *युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता मंच* है, जिसे युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ***युवा कार्य विभाग*** *(DoYA)* के अंतर्गत, *डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (DIC),* *इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)* द्वारा विकसित किया गया है।
  - इसका उद्देश्य युवाओं को निर्बाध मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से **स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मार्गदर्शन और सीखने के अवसर प्रदान करना है।**
  - यह वर्तमान में **हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध है** तथा धीरे-धीरे इसमें अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ा जाएगा।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **सत्यापित अवसर:** स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मेंटरशिप और अनुभवात्मक शिक्षा।
  - **डिजिटल मान्यता:** बैज, प्रमाण-पत्र और व्यक्तिगत **युवा प्रोफाइल**।
  - **कॅरियर सशक्तीकरण:** कौशल निर्माण संसाधन और **एआई-सक्षम रिज्यूमे निर्माण**।
  - **युवा अभियान:** प्रमुख कार्यक्रमों और **नागरिक पहलों** में सक्रिय भागीदारी।
  - **इंटरैक्टिव लर्निंग:** विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 क्विज़ में भागीदारी।
  - **CSC के साथ एकीकरण:** 5 लाख से अधिक *ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLEs)* के विशाल नेटवर्क का लाभ लेते हुए अब **माई भारत** पोर्टल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित होगा, जिससे युवाओं का निर्बाध पंजीकरण संभव होगा और VBYLD क्विज़ जैसी पहलों में उनकी भागीदारी संभव होगी।
- प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा **31 अक्तूबर,** 2023 को लॉन्च किया गया **माई भारत प्लेटफॉर्म** 1.81 करोड़ से अधिक युवाओं और 1.20 लाख संगठनों के साथ भारत के सबसे बड़े **युवा-केंद्रित पारिस्थितिक तंत्रों** में से एक बन गया है, जो **अमृत काल** के दौरान युवाओं की सहभागिता, **नेतृत्व** तथा **राष्ट्र निर्माण** के लिये एक **डिजिटल आधार** के रूप में कार्य कर रहा है।

श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी **जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित** की तथा **भारत के** स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करते हुए युवाओं से उनकी **निडर साहस** और **न्याय के प्रति प्रतिबद्धता** का अनुकरण करने का आग्रह किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- वे एक भारतीय क्रांतिकारी, देशभक्त, वकील और पत्रकार थे, जिनका जन्म **4 अक्तूबर, 1857 को** मांडवी, गुजरात में हुआ था।
- लंदन में उन्होंने वर्ष **1905 में** इंडियन होम रूल सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- उन्होंने लंदन में **भारतीय छात्रों** के लिये **छात्रावास** और **बैठक-स्थल** के रूप में '**इंडिया हाउस**' की स्थापना की।
- उन्होंने 'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट' नामक **पत्रिका** भी शुरू की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को **ब्रिटिश शासन** के विरुद्ध **क्रांतिकारी गतिविधियों** में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- वे बॉम्बे आर्य समाज के पहले **अध्यक्ष** थे और वीर सावरकर से प्रभावित थे।
- **ब्रिटिश आलोचना** के प्रत्युत्तर में वे इंग्लैंड से पेरिस चले गए और तत्पश्चात् प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान **जिनेवा** में स्थायी रूप से बस गए, जहाँ **30 मार्च, 1930 को** उनका निधन को गया।
- उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि उनकी **अस्थियाँ स्वतंत्र भारत** में लाई जाएँ, यह इच्छा **अगस्त** 2003 में **गुजरात के** तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरी की गई।
- उनकी स्मृति में '**क्रांति तीर्थ**' नामक **स्मारक** का निर्माण मांडवी के निकट किया गया, जिसका **उद्घाटन वर्ष** 2010 में किया गया।

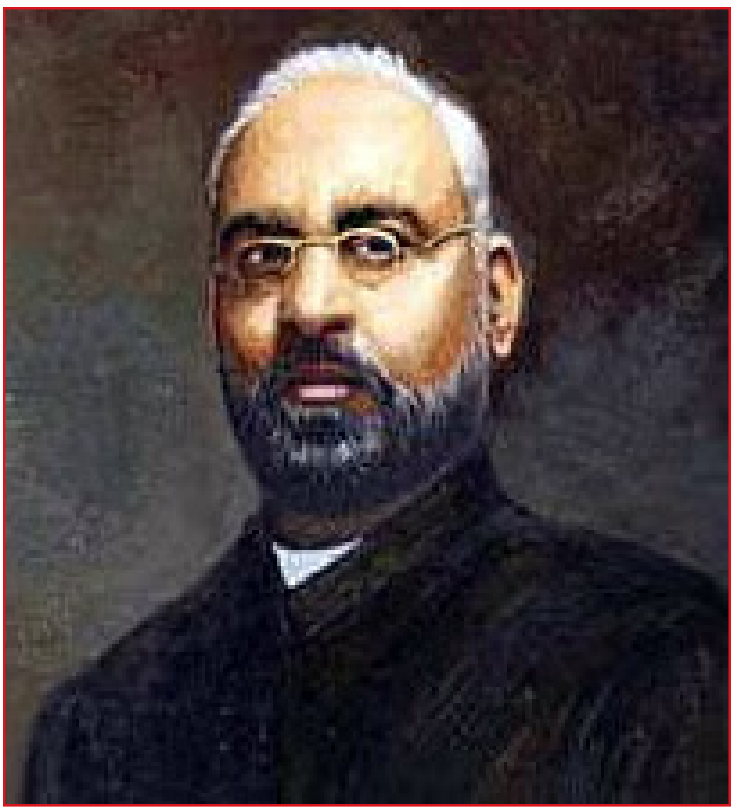

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व कपास दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और पबित्रा मार्गेरिटा ने **7 अक्तूबर** को नई दिल्ली में विश्व कपास दिवस **2025 समारोह में भाग लिया।**

- यह कार्यक्रम **वस्त्र मंत्रालय** तथा **भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (CITI)** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसका विषय था– '**कपास 2040: प्रौद्योगिकी, जलवायु और प्रतिस्पर्द्धात्मकता**'।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - विश्व कपास दिवस की **स्थापना वर्ष** 2019 में की गई थी, जब **उप-सहारा अफ्रीका** के चार कपास उत्पादक देशों **(बेनीन, बुर्किना फासो, चाड** और **माली**), जिन्हें सामूहिक रूप से **"कॉटन फोर"** (Cotton Four) कहा जाता है, ने **7 अक्तूबर** को विश्व व्यापार संगठन (WTO) को यह दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया था।
- **उद्देश्य:**
  - इस दिवस का उद्देश्य अल्प विकसित देशों के कपास और कपास से संबंधित उत्पादों के लिये **वैश्विक बाज़ार तक पहुँच** प्रदान करने की आवश्यकता के प्रति **जागरूकता उत्पन्न करना** है।
  - साथ ही यह **सतत् व्यापार नीतियों** को बढ़ावा देने और विकासशील देशों को **कपास मूल्य श्रृंखला** के प्रत्येक चरण से **अधिक लाभ प्राप्त करने** में सक्षम बनाना है।
- **कपास से संबंधित तथ्य:**
  - शीर्ष पाँच कपास उत्पादक देश **चीन, भारत, ब्राज़ील, संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान हैं,** जिनकी कुल मिलाकर वैश्विक उत्पादन में **तीन-चौथाई** से अधिक हिस्सेदारी है।
    - **भारत विश्व में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है,** जो कुल वैश्विक कपास उत्पादन **का 23% है।**
  - कपास से विश्व में लगभग **2.4 करोड़ उत्पादकों को आजीविका मिलती है तथा** 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिलता है।
  - **कपास** विश्व में **पॉलिएस्टर के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला रेशा** है, जो **कुल रेशा मांग का लगभग 20%** है।
  - लगभग **80% कपास का उपयोग परिधानों में किया जाता है,** शेष कपास का उपयोग घरेलू वस्त्रों और औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है।
- **भारत में नियंत्रण प्रणाली:**
  - **भारतीय कपास निगम** की स्थापना **जुलाई 1970** में **वस्त्र मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **मूल्य समर्थन उपायों के माध्यम से कपास के मूल्य स्थिरीकरण** को सुनिश्चित करना है।
  - इसके अतिरिक्त, यह निगम **घरेलू वस्त्र उद्योग** का **व्यावसायिक खरीद परिचालन के माध्यम से समर्थन** करता है, विशेष रूप से कम उत्पादन वाले मौसम के दौरान।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व पर्यावास दिवस

चर्चा में क्यों?

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में **"संकट के लिये शहरी समाधान"** विषय के साथ विश्व पर्यावास दिवस 2025 मनाया।

- इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और **तीव्र** शहरीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु **शहरों को अधिक लचीला, समावेशी** तथा **सतत् बनाने** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 1985 में संयुक्त राष्ट्र ने अक्तूबर के पहले सोमवार को **विश्व पर्यावास दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह दिवस पहली बार वर्ष 1986 **में *"आश्रय मेरा अधिकार है"*** थीम के साथ मनाया गया था और **नैरोबी** इसका मेज़बान शहर था।
- **उद्देश्य:**
  - यह दिवस **आवास की स्थिति** पर विचार करने तथा सभी व्यक्तियों के लिये **पर्याप्त आश्रय** तक पहुँच के **मौलिक अधिकार** पर ज़ोर देने के लिये मनाया जाता है।
- **विषय 2025:**
  - 6 अक्तूबर को मनाए गए **विश्व पर्यावास दिवस** 2025 का विषय **"शहरी संकट प्रतिक्रिया"** था।
  - यह **जलवायु परिवर्तन और संघर्षों** जैसी चुनौतियों से उत्पन्न **शहरी असमानता** को संबोधित करने तथा **प्रभावी संकट प्रतिक्रिया उपकरणों और दृष्टिकोणों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

स्क्रॉल ऑफ ऑनर पुरस्कार

- संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावास कार्यक्रम (UN-Habitat) द्वारा वर्ष 1989 में शुरू किया गया **स्क्रॉल ऑफ ऑनर अवार्ड** मानव बस्तियों के क्षेत्र में **विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार** है।
- यह पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रों में **असाधारण योगदान** को मान्यता देता है:
  - **आश्रय प्रावधान:** पर्याप्त और सुलभ आवास।
  - **निराश्रित लोगों की दुर्दशा** पर प्रकाश डालना।
  - **संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण** में नेतृत्व।
  - **शहरी जीवन की गुणवत्ता** और मानव बस्तियों में सुधार करना।

93वाँ वायुसेना दिवस

चर्चा में क्यों?

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 93वें वायुसेना दिवस पर राष्ट्र को शुभकामनाएँ दीं और उन **साहसी वायु सैनिकों** को सम्मानित किया, जिन्होंने **त्याग, समर्पण और कौशल** के साथ देश **की रक्षा** की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह दिवस 8 **अक्तूबर,** 1932 को **भारतीय वायुसेना (IAF) की स्थापना** के सम्मान में प्रतिवर्ष 8 अक्तूबर को मनाया **जाता है।**
  - भारतीय वायुसेना की पहली परिचालन उड़ान **1 अप्रैल,** 1933 को हुई, जिसने दशकों से भारत की रक्षा को आकार देने वाली वायु शक्ति की नींव रखी।
  - सीमित कार्मिक और विमानों वाली छोटी सेना से भारतीय वायुसेना अब **विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना** बन गई है, जो विभिन्न **सैन्य और मानवीय मिशनों** में सक्रिय है।
- **आदर्श वाक्य:**
  - भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य '**नभः *स्पर्शं दीप्तम्*** 'है, ***जो* भगवद्गीता** के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का विषय "**ऑपरेशन सिंदूर में बल का योगदान**" है।
- **समारोह:**
  - इस वर्ष के समारोह में **राफेल, Su-30MKI, C-17 ग्लोबमास्टर, अपाचे गार्जियन** और अन्य विमानों के साथ भव्य फ्लाईपास्ट, साथ ही परेड, एयर शो तथा भारतीय वायुसेना की तकनीकी प्रगति एवं परिचालन तत्परता को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ शामिल थीं, साथ ही प्रतिष्ठित **मिग-21** को विदाई दी गई।
  - यह परेड उत्तर प्रदेश के हिंडन एयर बेस पर आयोजित की गई।
  - **हेरिटेज फ्लाइट के भाग के रूप में** पुनर्स्थापित **हिंदुस्तान ट्रेनर-2 (HT-2) विमान,** जो कि पहला स्वदेशी निर्मित भारतीय वायुसेना का विमान है, को भी पहली बार प्रदर्शित किया गया।
  - पारंपरिक फ्लाईपास्ट और **हवाई प्रदर्शन 9 नवंबर को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा,** जो इस वर्ष के वायुसेना **दिवस समारोह का समापन होगा।**

70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

70वें हुंडई फिल्मफेयर पुरस्कार 2025, जो 11 **अक्तूबर,** 2025 को EKA एरेना, अहमदाबाद में **गुजरात पर्यटन** के सहयोग से आयोजित किये गए, हिंदी सिनेमा में उत्कृष्टता का एक विशिष्ट उत्सव था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह समारोह **शाहरुख खान** और **करण जौहर** द्वारा होस्ट किया गया, जो 18 वर्षों के बाद फिल्मफेयर मंच पर फिर से मिले। यह आयोजन चमक-दमक और यादों का संगम था, जो सिनेमा की सात दशकों की उत्कृष्टता का उत्सव मनाने के लिये आयोजित किया गया।
- **उद्देश्य:** **वर्ष 2024** की **सर्वश्रेष्ठ फिल्मों** का उत्सव मनाना और कई श्रेणियों में उत्कृष्टता को सम्मानित करना।
- **मुख्य जीत:** **'लापता लेडीज़'** ने **रात की सबसे बड़ी जीत** दर्ज की, **13 ट्रॉफियाँ** जीतीं, जिसमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (Best Film) शामिल है और इस तरह **'गली बॉय' (2019)** का रिकॉर्ड बनाए रखा, जिसमें रणवीर सिंह तथा आलिया भट्ट थे।
  - अभिनय श्रेणियों में अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष)** पुरस्कार साझा किया, जबकि **आलिया भट्ट** ने अपने शानदार रोल के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** ट्रॉफी जीती।

टॉप इंडिविजुअल विनर्स		
नाम	**पुरस्कार/अवाड्र्स**	**फिल्म/फिल्में**
किरण राव	सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	लापता लेडीज़
शूजित सरकार	क्रिटिक्स अवार्ड फॉर बेस्ट फिल्म	आई वांट टू टॉक
स्नेहा देसाई	बेस्ट स्क्रीनप्ले एंड बेस्ट डायलॉग	लापता लेडीज़
राम संपथ	बेस्ट म्यूज़िक एल्बम एंड बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर	लापता लेडीज़
अचिंत ठक्कर	RD बर्मन अवार्ड (संगीत में उभरती प्रतिभा)	जिगरा, मिस्टर एंड मिसेज़ माही
ज़ीनत अमान, श्याम बेनेगल (पोस्टह्यूमसली)	लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड	भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिये सम्मानित

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (World Mental Health Day) 2025 के अवसर पर **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा** ने राष्ट्रीय टेली-मेंटल हेल्थ कार्यक्रम (Tele-MANAS) के तहत कई नई सुविधाओं की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **ऐप सुधार:** **Tele-MANAS मोबाइल ऐप** उपयोगकर्त्ताओं को कहीं भी और कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे भारत के **डिजिटल स्वास्थ्य ढाँचे** को सुदृढ़ किया जाता है।
  - ऐप में अब **बहुभाषी इंटरफेस, चैटबोट, पहुँच सुधार** और **आपातकालीन प्रतिक्रिया मॉड्यूल** जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।
  - ऐप **10 क्षेत्रीय भाषाओं** (असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, ओड़िया और पंजाबी) में उपलब्ध है, इसके अलावा **अंग्रेज़ी** तथा **हिंदी** में भी उपलब्ध है।
  - **सुलभता सुविधाएँ** इसे **दिव्यांग व्यक्तियों**, विशेषकर दृष्टिहीन लोगों के लिये उपयोगकर्त्ता-अनुकूल बनाती हैं।
  - **चैटबोट "अस्मी" (Asmi)** उपयोगकर्त्ताओं को संवाद करने, जानकारी प्राप्त करने और मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा देता है।
  - **आपातकालीन मॉड्यूल** संकट के समय त्वरित मार्गदर्शन और सहायता सुनिश्चित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मेंटल हेल्थ एंबेसडर:** मंत्री ने घोषणा की कि **दीपिका पादुकोण** को **मेंटल हेल्थ एंबेसडर** के रूप में नामित किया गया है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जिसे **10 अक्तूबर** को मनाया जाता है, का उद्देश्य **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, संवाद को प्रोत्साहित करना** और **सभी के लिये मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुलभ बनाने के प्रयासों** को सक्रिय करना है।
  - **थीम:** 2025 की थीम, **"सेवाओं तक पहुँच- आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य"** (Access to Services - Mental Health in Catastrophes and Emergencies), यह दर्शाती है कि **प्राकृतिक आपदाओं**, **सशस्त्र संघर्षों और महामारी जैसी संकट की स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना** कितना महत्त्वपूर्ण है।

विश्व मानक दिवस

चर्चा में क्यों ?

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने 14 अक्तूबर, 2025 को **विश्व मानक दिवस (World Standards Day)** कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

- यह कार्यक्रम **भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)** द्वारा आयोजित किया गया था, जो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (NITS) में आयोजित इस समारोह में भारत का **राष्ट्रीय लाइटिंग कोड 2025 (National Lighting Code of India 2025)** जारी किया गया, इसके साथ ही लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) तथा **ऑनलाइन स्टैंडर्ड डेवलपमेंट (OSD) मॉड्यूल** को भी **BIS मानक पोर्टल** पर लॉन्च किया गया।
- **विश्व मानक दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानक दिवस पहली बार वर्ष **1970** में मनाया गया था, जिसका उद्देश्य सुरक्षा, गुणवत्ता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने में मानकों (Standards) के महत्त्व के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना था।
    - यह दिवस **अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO)** ने **अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC)** और **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** के सहयोग से स्थापित किया था, ताकि वैश्विक स्तर पर मानक विकसित करने वाले समुदाय तथा उनके योगदान का सम्मान किया जा सके।
  - **उद्देश्य:** विश्व मानक दिवस उन मानकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाता है, जो **गुणवत्ता, सुरक्षा और सततता** सुनिश्चित करते हैं। यह उन विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है, जो इन ढाँचों को बनाने के लिये कार्य करते हैं।
  - **थीम: वर्ष 2025 की थीम, "A Shared Vision for a Better World: Standards for Sustainable Development Goals" अर्थात् एक बेहतर विश्व के लिये साझा दृष्टि: सतत् विकास लक्ष्यों हेतु मानक** अंतर्राष्ट्रीय मानकों की उस भूमिका पर ज़ोर देती है, जो संयुक्त राष्ट्र **सतत् विकास लक्ष्यों (SDG)** को प्राप्त करने के लिये वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- BIS भारत का **वैधानिक राष्ट्रीय मानक संस्थान** है, जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के समन्वित विकास के लिये BIS अधिनियम, 2016 के तहत स्थापित किया गया।
  - इसकी स्थापना प्रारंभ में **भारतीय मानक संस्था (ISI)** के रूप में हुई थी, जो **6 जनवरी, 1947** को अस्तित्व में आई।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- BIS विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है, जैसे कि उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क), सोने और चांदी के आभूषणों की **हॉलमार्किंग,** ईको मार्क योजना (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के लेबलिंग के लिये)।

भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN-RoKN)

चर्चा में क्यों ?

भारत-दक्षिण कोरिया द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास (IN-RoKN) का पहला संस्करण 13 अक्तूबर, 2025 को दक्षिण कोरिया के बुसान नेवल बेस में शुरू हुआ, जो भारतीय नौसेना (IN) और कोरिया गणराज्य नौसेना (RoKN) के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी में एक मील का पत्थर है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** पहला IN-RoKN अभ्यास दो अलग-अलग चरणों- **हार्बर फेज़ और सी फेज़** में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य दोनों समुद्री सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी), **आपसी समझ तथा विश्वास** को बढ़ाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **हार्बर फेज़:** इस चरण में, दोनों देशों के नौसैनिक अधिकारी क्रॉस-डेक विज़िट, पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं का साझाकरण, खेलकूद गतिविधियों और क्रॉस-ट्रेनिंग सत्रों में शामिल होंगे। **INS सह्याद्रि के कमांडिंग ऑफिसर** भी **वरिष्ठ RoKN अधिकारियों** तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार करेंगे।
- **सी फेज़:** समुद्री चरण में **INS सह्याद्रि और ROKS Gyeongnam** के बीच जटिल संयुक्त अभ्यास एवं संचालन संबंधी अभ्यास होंगे, जिनका उद्देश्य सामरिक समन्वय तथा परिचालन सहयोग को सुदृढ़ करना है।

- **INS सह्याद्रि: INS सह्याद्रि** एक स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित **शिवालिक-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट** है। इसे वर्ष 2012 में कमीशन किया गया तथा यह **ईस्टर्न नेवल कमांड के ईस्टर्न फ्लीट** के अधीन सेवाएँ प्रदान करता है, जिसका मुख्यालय विशाखापट्टनम में स्थित है।
  - यह भारत की '**आत्मनिर्भर भारत**' (Self-Reliant India) पहल और उसकी स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमताओं का प्रतीक है।
- **रणनीतिक महत्त्व:** जैसे-जैसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का भू-राजनीतिक महत्त्व बढ़ रहा है, भारत और कोरिया गणराज्य ने साझा हितों, **आपसी सम्मान तथा सामान्य मूल्यों पर आधारित सुदृढ़ समुद्री साझेदारी** विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की दोबारा पुष्टि की है।

विश्व खाद्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष **16 अक्तूबर** को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और संधारणीय कृषि के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: विश्व खाद्य दिवस** संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा **16 अक्तूबर, 1945** को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है।
  - विश्व खाद्य दिवस 1979 में FAO की 20वीं महासभा के दौरान अस्तित्व में आया और 1984 में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकृति प्रदान की।
  - **भोजन का अधिकार** 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र (Universal Declaration of Human Rights) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- **थीम:** वर्ष 2025 के लिये थीम है "**बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ**", जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।
- **भारत की स्थिति:** पिछले दशक में भारत का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है, जो दृढ़ कृषि विकास को दर्शाता है।
  - फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा है तथा इसी अवधि में यह 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हो गया।
  - **भारत** अब दूध और बाजरे (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में **प्रथम स्थान** पर है, जबकि मछली, फल तथा सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद एवं अंडे का उत्पादन दोगुना हो गया है।
- **भारत की पहलें:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण (POSHAN) योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (PSF) जैसी प्रमुख पहलें भारत की खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

चर्चा में क्यों ?

15 अक्तूबर, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

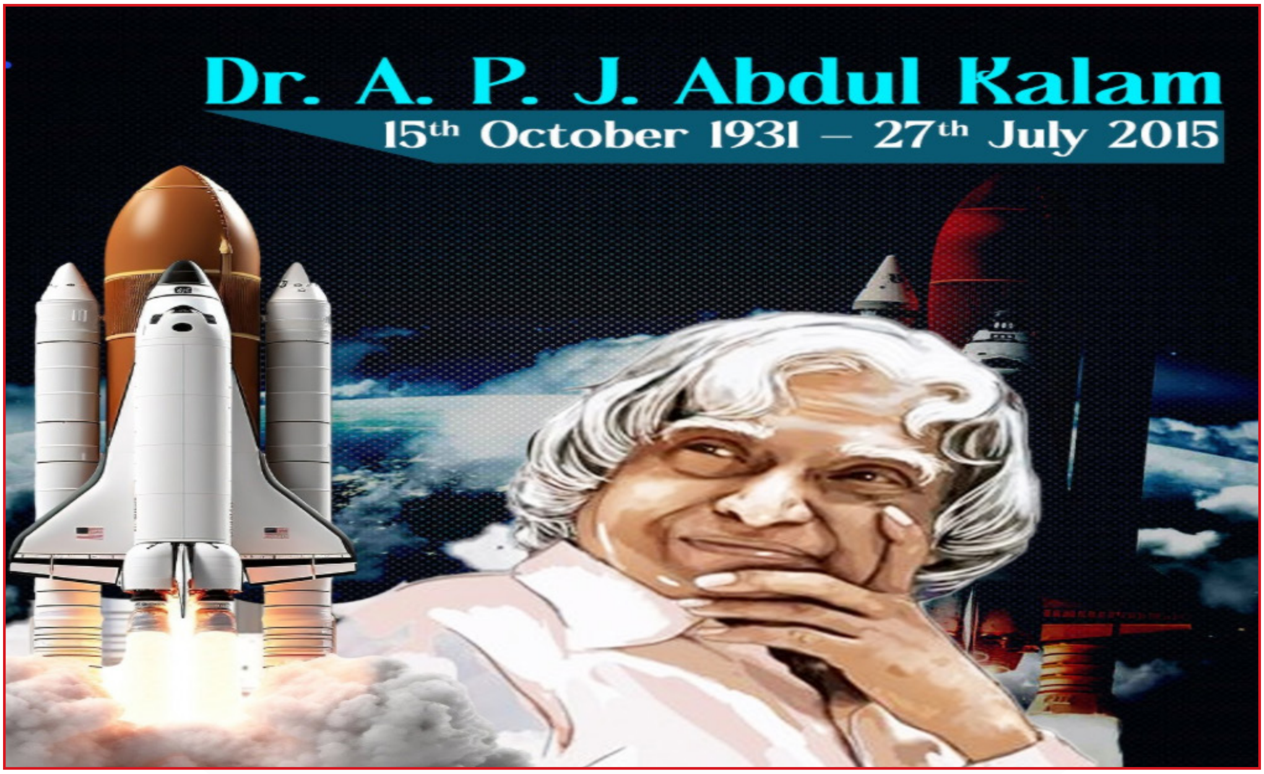

मुख्य बिंदु

- **परिचय: डॉ. अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम** का जन्म **15 अक्तूबर, 1931** को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त की थी।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान:** वे भारत के **पहले स्वदेशी** उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-III) के परियोजना निदेशक रहे, जिसने जुलाई, 1980 में **रोहिणी उपग्रह** को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिससे भारत विशिष्ट "स्पेस क्लब" का सदस्य बना।
  - उन्होंने इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से PSLV **कॉन्फिगरेशन** के निर्माण में, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं की आधारशिला बन गया।
- **रक्षा विकास: एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में, उन्होंने AGNI और PRITHVI जैसी प्रमुख मिसाइल प्रणालियों के विकास तथा संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- जुलाई, 1992 से दिसंबर, 1999 तक रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (DRDO) के सचिव के रूप में, डॉ. कलाम ने भारत के मिसाइल प्रणालियों के सशस्त्रीकरण का नेतृत्व किया तथा सफल पोखरण-II **परमाणु परीक्षणों** की देख-रेख की, जिससे भारत एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बना।
- उनका योगदान रक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता तक विस्तृत था, जिसमें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) के विकास में उनकी अहम भूमिका शामिल है।

- **विकसित भारत का दृष्टिकोण:** उनका नेतृत्व **टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल** (TIFAC) तक विस्तृत था, जहाँ उन्होंने अध्यक्ष के रूप में **टेक्नोलॉजी विज़न 2020** परियोजना का नेतृत्व किया।
- **पुस्तकें:** उनकी रचनाएँ जैसे- ***"विंग्स ऑफ फायर", "इंडिया 2020 - ए विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम", "माय जर्नी"*** और ***"इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया"***- अनेक भाषाओं में अनुदित की गई हैं, जो आज भी विश्वभर में लोकप्रिय हैं।
- **सम्मान और पुरस्कार:** उन्हें 30 मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त हुईं तथा भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों जैसे- **पद्म भूषण** (1981), **पद्म विभूषण** (1990) और **भारत रत्न** (1997) से सम्मानित किया गया।
    - **भारत के राष्ट्रपति:** 25 जुलाई, 2002 को डॉ. कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने, जहाँ उन्होंने विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। उनकी राष्ट्रपति अवधि का प्रमुख लक्ष्य था- भारत को वर्ष 2020 तक एक वैश्विक नेता के रूप में परिवर्तित करना। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, राष्ट्रीय गौरव और युवा सशक्तीकरण की एक अमिट विरासत स्थापित की।

विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब

चर्चा में क्यों?

गूगल ने आंध्र प्रदेश के **विशाखापत्तनम** में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब स्थापित करने के लिये वर्ष 2026 से 2030 तक अगले पाँच वर्षों में **15 अरब डॉलर** निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस परियोजना की घोषणा नई दिल्ली में आयोजित **'भारत AI शक्ति'** कार्यक्रम के दौरान की गई, जहाँ **गूगल के CEO सुंदर पिचाई** ने बताया कि उन्होंने इस परियोजना पर **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** से चर्चा की थी।
- **सबसे बड़ा AI हब: विशाखापत्तनम** में बनने वाला नया डेटा सेंटर अमेरिका के बाहर **गूगल का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब** होगा।
    - यह पहल गूगल की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी इस वर्ष लगभग **85 अरब डॉलर** का निवेश करके अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है, ताकि विश्वभर में बढ़ती AI सेवाओं की मांग को पूरा किया जा सके।
- **सेवाएँ:** गूगल AI हब पूरी तरह से AI समाधान प्रदान करेगा, जिसमें गूगल के स्वामित्व वाले टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (TPU) का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक चिप्स की तुलना में दोगुनी ऊर्जा-कुशल हैं।
    - यह हब डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहित करेगा ताकि भारत की **सॉवरेन AI आवश्यकताओं** का पालन हो सके, साथ ही गूगल के उन्नत AI मॉडल जैसे- **जेमिनी (Gemini), इमैजिन (Imagine) और वीओ (Veo)** को भी तैनात किया जाएगा।
- **सहयोग:** इस महत्त्वाकांक्षी पहल का समर्थन करने के लिये **अडानी समूह** और **एयरटेल** ने गूगल के साथ साझेदारी की है। इसके अंतर्गत आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक **न्यू इंटरनेशनल सबसिया गेटवे** भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना 14 से 17 अक्तूबर तक **आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम** में इंडोनेशियाई नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास **'समुद्र शक्ति'** के पाँचवें संस्करण की मेज़बानी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य समुद्र और तट दोनों पर पेशेवर तथा परिचालनिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से दोनों देशों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (interoperability)** को बढ़ाना तथा **समुद्री सहयोग** को सुदृढ़ करना है।
- **भाग लेने वाली इकाइयाँ:**
  - **INS कवरत्ती:** भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की एक पनडुब्बी-रोधी युद्धक (Anti-Submarine Warfare) कॉर्वेट।
  - **KRI जॉन ली:** इंडोनेशियाई नौसेना की एक कॉर्वेट, जो एक एकीकृत हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **हार्बर फेज़:** हार्बर चरण में गतिविधियाँ शामिल हैं जैसे- **क्रॉस-डेक दौरे, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन** और **सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट एक्सचेंज (SMEE) कार्यक्रम** के तहत पेशेवर आदान-प्रदान, जो दोनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच **पेशेवर संवाद तथा सौहार्द बढ़ाने** के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं।
- **सी चरण:** सी चरण में **जटिल और उच्च-गतिशीलता वाले समुद्री अभियान** होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच **टैक्टिकल समन्वय (tactical coordination)** में सुधार करना है। इन अभियानों में हेलीकॉप्टर युद्धाभ्यास, **हवाई रक्षा अभ्यास (Air Defence Exercises),** हथियार फायरिंग ड्रिल्स और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सिज़र (VBSS) ऑपरेशन्स शामिल होंगे।
- **महत्त्व:** यह अभ्यास **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखने** के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
- भारत और इंडोनेशिया के बीच अन्य सैन्य अभ्यास: **गरुड़ शक्ति**, **IND-INDO CORPAT**

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025, जिसे भारतीय सेना ने 14 से 16 अक्तूबर, 2025 तक आयोजित किया, में **32 देशों के वरिष्ठ सैन्य नेताओं** को एकत्रित किया गया, जो वैश्विक **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस सम्मेलन में 32 देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हैं, जिनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राज़ील, मिस्र, इथियोपिया, फ्राँस, घाना, भारत, इटली, केन्या, मलेशिया, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, तंज़ानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम शामिल हैं।
  - इस कार्यक्रम में रक्षा प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य शांति स्थापना अभियानों के लिये साझा क्षमताओं का निर्माण करना है।
- **उद्देश्य:** UNTCC एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य परिचालनिक चुनौतियों, विकसित हो रहे खतरों, अंतर-संचालन क्षमता, निर्णय-निर्माण में समावेशिता और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना को सुदृढ़ करने में प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण की भूमिका पर चर्चा करना है।
  - **भारत**, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्त्ताओं में से एक है, ने **भविष्य के शांति स्थापना अभियानों के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, ज्ञान साझा करने और आपसी समझ विकसित करने** के उद्देश्य से इस उच्च स्तरीय मंच का आयोजन किया है।
- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:** प्रमुखों ने भारतीय सेना द्वारा एकीकृत, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन देखा, जिसमें विभिन्न स्वदेशी सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया गया।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिये 4C सूत्र:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना में उभरती चुनौतियों का समाधान करने हेतु ***परामर्श (Consultation), सहयोग (Cooperation), समन्वय (Coordination) और क्षमता निर्माण (Capacity Building)*** के मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रस्ताव रखा, जिसे **4C सूत्र** कहा गया।
  - उन्होंने यह भी बताया कि **नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर UN पीसकीपिंग** ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे शांति सैनिकों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability)** के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UNPK)

- पहला UNPK मिशन, **संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (UNTSO)**, मई 1948 में स्थापित किया गया था ताकि इज़रायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच **आर्मिस्टिस समझौते** की निगरानी एक छोटे सैन्य पर्यवेक्षक दल के माध्यम से की जा सके।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा **युद्धविराम और शांति समझौतों का समर्थन करने** के लिये तैनात किया जाता है तथा इन्हें **ब्लू हेलमेट्स** कहा जाता है क्योंकि हल्का नीला रंग **UN ध्वज पर शांति का प्रतीक** है।
- वर्तमान में, 119 देशों के 61,000 से अधिक सैन्य और पुलिस शांति सैनिक तथा 7,000 से अधिक नागरिक कर्मी 11 संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

डॉ. पिंकी आनंद, वरिष्ठ अधिवक्ता और **भारत की पूर्व** एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, को **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)** में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है, जो कि वर्ष 2024 में **पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजय किशन कौल** की उसी न्यायालय में नियुक्ति के बाद हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

डॉ. पिंकी आनंद

- **पृष्ठभूमि: हार्वर्ड लॉ स्कूल की स्नातक और इन्लैक्स स्कॉलर, डॉ. पिंकी आनंद के पास 40 वर्षों से अधिक का विधिक अनुभव** है। उन्होंने भारत में **एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (2014-2020)** के रूप में कार्य किया और उन्हें संवैधानिक कानून, सिविल मध्यस्थता तथा आपराधिक कानून में विशेषज्ञता प्राप्त है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व:** उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व विभिन्न **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों** पर किया है, जिनमें **ब्रिक्स (BRICS)** शामिल हैं; **ब्रिक्स लीगल फोरम** की संस्थापक सदस्य भी हैं।
- **सम्मान:** उन्हें फ्राँस के राष्ट्रपति द्वारा **फ्रेंच नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट** से सम्मानित किया गया।

बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)

- **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (Bahrain International Commercial Court- BICC)** की स्थापना जटिल सीमा पार वाणिज्यिक विवादों को निपटाने के लिये की गई है। यह न्यायालय **5 नवंबर, 2025 को न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह** के साथ अपना कार्य आरंभ करेगा, जिसमें **बहरीन के राजपरिवार और प्रधानमंत्री** की उपस्थिति होगी।
- BICC की अध्यक्षता प्रसिद्ध मध्यस्थता विशेषज्ञ **जान पॉल्सन** कर रहे हैं और इसमें 17 न्यायाधीश शामिल हैं- जिनमें 7 महिलाएँ एवं 10 पुरुष हैं, जो विश्व के **विभिन्न न्यायिक** क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह न्यायालय मार्च, 2024 में **बहरीन और सिंगापुर के बीच हुई एक संधि** के तहत स्थापित किया गया है तथा इसका ढाँचा **सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (Singapore International Commercial Court- SICC)** के मॉडल पर आधारित है ताकि वाणिज्यिक विवाद समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि

चर्चा में क्यों ?

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के सम्मान में **प्रादेशिक सेना** (Territorial Army) में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि प्रदान** की गई है।

- **पिपिंग समारोह नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक** में आयोजित किया गया, जहाँ **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने **सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी** की उपस्थिति में औपचारिक रूप से यह **रैंक प्रतीक/चिह्न** (Rank Insignia) प्रदान किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** 24 दिसंबर, 1997 को हरियाणा के पानीपत ज़िले के खंडरा गाँव में जन्मे नीरज चोपड़ा एक कृषक परिवार से संबंध रखते हैं और भारत के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं।
- **भारतीय सेना में यात्रा:**
  - नीरज चोपड़ा अगस्त, 2016 में भारतीय सेना में **राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट** में **नायब सूबेदार** (Naib Subedar) के रूप में शामिल हुए थे तथा **वर्ष 2021** में उन्हें एथलेटिक्स में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये **सूबेदार (Subedar) के पद पर पदोन्नत** किया गया।
  - **वर्ष 2022** में, ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें **सूबेदार मेजर (Subedar Major)** पद पर पदोन्नत किया गया और भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान **'परम विशिष्ट सेवा पदक'** से सम्मानित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अप्रैल, 2025 में,** राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने उन्हें राष्ट्रसेवा और उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों की मान्यता में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल (Honorary Lieutenant Colonel) की उपाधि प्रदान** की।

- **खेल में प्राप्त उपलब्धियाँ:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** ट्रैक एंड फील्ड में **ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट** बनकर इतिहास रचा।
  - **विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: स्वर्ण पदक जीता,** जिससे वैश्विक एथलेटिक्स में भारत की उपस्थिति और दृढ़ हुई।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024: रजत पदक** प्राप्त किया, जिससे उनका निरंतर उच्च प्रदर्शन स्तर बना रहा।
  - **एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल:** कई **स्वर्ण पदक** जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाला फेंक स्पर्द्धा में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की।
  - **डायमंड लीग एवं अन्य प्रतियोगिताएँ:** लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा **वर्ष 2025 में 90.23 मीटर** का **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (Personal Best Throw)** कर भारतीय एथलेटिक्स में एक नया रिकॉर्ड बनाया।

- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - विशिष्ट सेवा पदक (2023)
  - परम विशिष्ट सेवा पदक (2022)
  - पद्मश्री (2022)
  - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2021)
  - अर्जुन पुरस्कार (2018)

अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल

चर्चा में क्यों?

भारत ने **23 अक्तूबर, 2025** को **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस** मनाया, जिसमें '#23for23' शीर्षक के तहत एक विशिष्ट राष्ट्रीय अभियान चलाया गया। इस अभियान ने लोगों को 23 मिनट **शारीरिक गतिविधि** के लिये समर्पित करने हेतु प्रेरित किया, ताकि **स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुए)** और उनके **संवेदनशील उच्च ऊँचाई वाले आवासों** के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** '#23for23' अभियान को वर्ष 2023 के लिये **23 मिनट की सक्रिय भागीदारी** का प्रतीक बनाकर शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण में जागरूकता और सार्वजनिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।
  - यह अभियान **ग्लोबल स्नो लेपर्ड और ईकोसिस्टम प्रोटेक्शन प्रोग्राम (GSLEP)** के अंतर्गत, तथा **स्नो लेपर्ड ट्रस्ट वर्ल्डवाइड** के सहयोग से आयोजित किया गया।
- **भारत की संरक्षण उपलब्धियाँ:**
  - भारतीय हिमालय में की गई **पहली स्नो लेपर्ड गणना में 718 स्नो लेपर्ड** पाए गए, जिनमें से **477 लद्दाख** में हैं।
  - भारत ने उच्च ऊँचाई पर स्थित हिमालयों के लिये स्नो लेपर्ड को एक **फ्लैगशिप (मुख्य) प्रजाति** के रूप में चिह्नित किया है।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस:** यह दिवस **वर्ष 2013** में स्थापित हुआ, जब किर्गिज़स्तान में **बिशकेक घोषणा** को अपनाने के बाद उन **12 देशों** ने, जिनमें स्नो लेपर्ड की आबादी है, संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्नो लेपर्ड की मेज़बानी करने वाले देश:** अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।

स्नो लेपर्ड (Panthera uncia): तथ्य

- **परिचय: मध्यम आकार की बिल्लियाँ** जो **अपनी चतुराई** के लिये जानी जाती हैं और कठोर, ऊँचाई वाले वातावरण में जीवित रहने की क्षमता रखती हैं।
- **पर्यावास:** मध्य और दक्षिण एशिया के पहाड़ों में मूल निवासी, आमतौर पर **9,800 से 17,000 फीट** की ऊँचाई पर पाई जाते हैं।
  - वन्य में लगभग **3,500 से 7,000** स्नो लेपर्ड होने का अनुमान लगाया गया है।
- **विशेषताएँ: मोटे, धूसर-सफेद फर** से युक्त, जो बर्फ और चट्टानों के बीच **छिपने** में सहायता करता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व: ये शीर्ष शिकारी** तथा संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती हैं, क्योंकि उनकी उपस्थिति **उच्च ऊँचाई पारिस्थितिकी तंत्र** के स्वास्थ्य को दर्शाती है।
  - इनके शिकार से गिद्ध और भेड़िये जैसे अपशिष्ट का सेवन करने वाले जीवों को भोजन मिलता है, जिससे अन्य प्रजातियों का समर्थन होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025

चर्चा में क्यों?

भारत ने **वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA) 2025** के अनुसार कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व में **नौवें स्थान** पर पहुँचकर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा **बाली, इंडोनेशिया** में जारी की गई है।

- यह पूर्व में हुए मूल्यांकन में **दसवें स्थान** से सुधार को दर्शाता है और देश के सतत् वन प्रबंधन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA), जिसे FAO द्वारा संचालित किया जाता है, विश्व के वन संसाधनों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जिसमें उनकी स्थिति, प्रबंधन और उपयोग शामिल हैं। यह **देशों द्वारा प्रस्तुत डेटा** पर आधारित होता है, जिसे विशेषज्ञ समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित किया जाता है।
  - यह रिपोर्ट सतत् विकास के लिये वर्ष 2030 एजेंडा, पेरिस जलवायु समझौता, **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचा** और **संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2017-2030 के लिये वन रणनीतिक योजना** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की निगरानी में सहायता करती है।
- **भारत के संबंध में निष्कर्ष:**
  - रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का **कुल वन क्षेत्र लगभग 72.73 मिलियन हेक्टेयर** है, जिससे देश विश्व में **नौवें स्थान** पर है।
  - वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत अभी भी दुनिया में **तीसरे स्थान** पर है, जो उसके बड़े पैमाने पर वनीकरण और संरक्षण पहलों की सफलता को दर्शाता है।
  - FAO रिपोर्ट में भारत के कृषि-वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री) **क्षेत्र** को भी उजागर किया गया है। 91 देशों में 55.4 मिलियन हेक्टेयर एग्रोफॉरेस्ट्री भूमि में भारत और इंडोनेशिया मिलकर लगभग 70% वैश्विक कुल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - केवल भारत में **12.87 मिलियन हेक्टेयर** भूमि एग्रोफॉरेस्ट्री में है, जो कार्बन संग्रहण, **आजीविका सृजन और पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **वैश्विक रुझान:**
  - **FRA 2025** के अनुसार, वर्तमान में विश्व के वन लगभग **4.14 बिलियन हेक्टेयर** क्षेत्र में विस्तृत हैं, जो पृथ्वी की कुल भूमि क्षेत्र का लगभग एक-तिहाई है।
  - रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर **वनोन्मूलन (वनों की कटाई) की दर में कमी** देखी गई है, हालाँकि वर्तमान दर **प्रतिवर्ष 10.9 मिलियन हेक्टेयर** अभी भी अधिक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अब विश्व के आधे से अधिक जंगल **दीर्घकालिक प्रबंधन योजनाओं** के तहत हैं और लगभग **20% वन कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों** में आते हैं।
- वैश्विक स्तर पर **रूस** सबसे ऊपर है, जिसका वन क्षेत्र **832.6 मिलियन हेक्टेयर** है, इसके बाद **ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन** का स्थान है।

पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना

चर्चा में क्यों ?

पूर्वी तिमोर **(तिमोर-लेस्ते)** 14 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद आधिकारिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) **का 11वाँ सदस्य** बन गया है।

- **औपचारिक रूप से इसका समावेश कुआलालंपुर** में एक समारोह में हुआ, जो 1990 के दशक के बाद आसियान का **पहला विस्तार है।**

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - पूर्वी तिमोर ने वर्ष 2011 में आसियान की सदस्यता के लिये आवेदन किया था, उसे वर्ष 2022 में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया तथा **14 वर्षों के बाद वर्ष 2025 में उसे पूर्ण सदस्यता प्राप्त** हुई।
  - इससे पहले आसियान में शामिल होने वाला अंतिम देश **1999 में कंबोडिया था।**
- **प्रभाव:**
  - सदस्यता से पूर्वी तिमोर को **आसियान के** मुक्त व्यापार समझौतों **में भाग लेने**, **निवेश के अवसर** प्राप्त करने और **व्यापक क्षेत्रीय बाज़ार में अपनी उपस्थिति का विस्तार** करने में मदद मिलेगी।
- **पूर्वी तिमोर (तिमोर-लेस्ते)**
  - पूर्वी तिमोर जिसे **तिमोर-लेस्ते** के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण-पूर्व में तिमोर सागर, **उत्तर में वेटार जलडमरूमध्य, उत्तर-पश्चिम में ओम्बाई जलडमरूमध्य और दक्षिण-पश्चिम में पश्चिमी तिमोर** (इंडोनेशियाई प्रांत पूर्वी नुसा तेंगारा का हिस्सा) से घिरा है।
  - पूर्वी तिमोर में तिमोर द्वीप का पूर्वी आधा हिस्सा शामिल है, **जिसका पश्चिमी आधा हिस्सा इंडोनेशिया का है।**
  - पूर्वी तिमोर, जिसे 18वीं शताब्दी में पुर्तगाल ने उपनिवेश **बनाया था**, पुर्तगाल के शासन के बाद वर्ष 1975 में इंडोनेशिया द्वारा कब्ज़ा कर लिया गया, जिसके कारण यहाँ स्वतंत्रता के लिये एक लंबा संघर्ष चला।
  - वर्ष 1999 में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हुए जनमत संग्रह में, पूर्वी तिमोरियों ने स्वतंत्रता के लिये मतदान किया, जिसके कारण शांति सेना के हस्तक्षेप तक हिंसा जारी रही और **वर्ष 2002 में** संयुक्त राष्ट्र **द्वारा देश को आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

आसियान

- **स्थापना:** आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर द्वारा (1967)
- **संस्थापक सदस्य:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
- **सचिवालय:** इंडोनेशिया, जकार्ता

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **अध्यक्षता:** वार्षिक रूप से बदलती रहती है (वर्तमान में मलेशिया)
- **आसियान शिखर सम्मेलन बैठक:** वर्ष में दो बार आयोजित

आसियान

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन

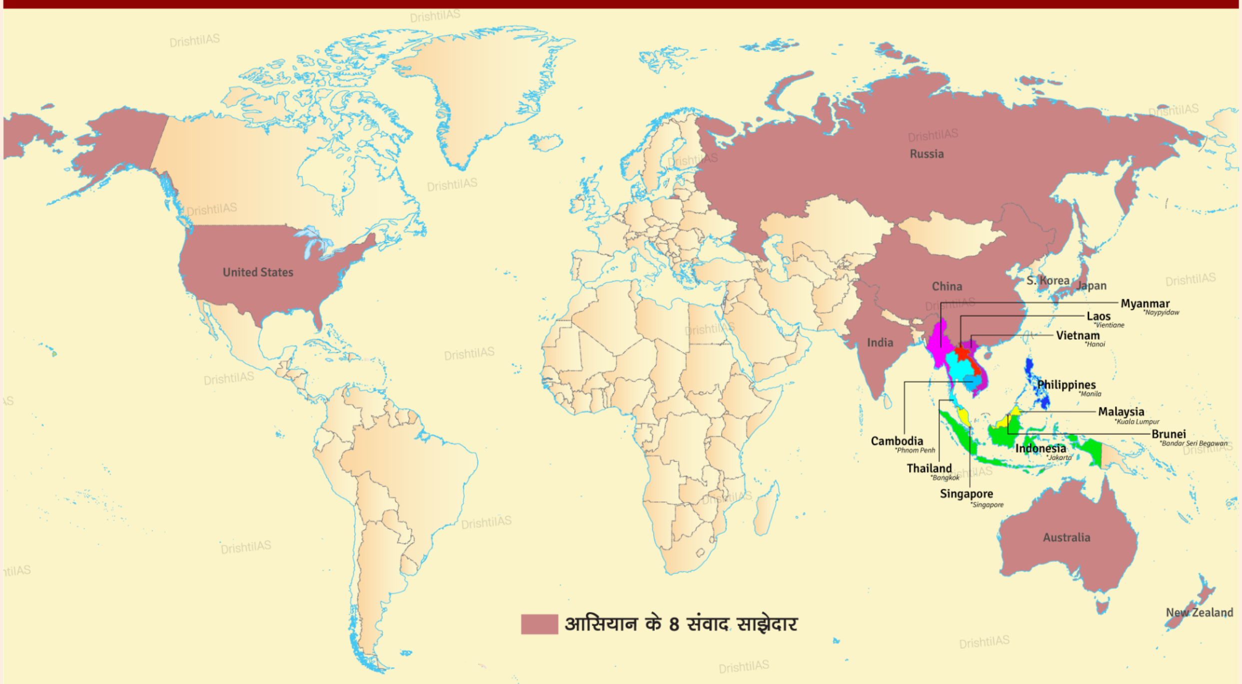

स्थापना: आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) (1967) पर हस्ताक्षर द्वारा
संस्थापक सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
सचिवालय: इंडोनेशिया, जकार्ता
अध्यक्षता: वार्षिक रूप से बदलती रहती है
आसियान शिखर सम्मेलन: वर्ष में दो बार आयोजित
आसियान (ASEAN) अर्थव्यवस्था:
- संयुक्त GDP: ~3.66 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (2022)
- कुल निर्यात: 1.73 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2021 में वैश्विक निर्यात का 8.24%)
- प्रमुख निर्यात मदें: मोनोलिथिक इंटीग्रेटेड सर्किट, पाम ऑयल, डेटा प्रोसेसिंग उपकरण

ADMM+बैठक: आसियान और उसके 8 संवाद साझेदारों (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, रूस और न्यूज़ीलैंड) के लिये मंच
- पहली बार आयोजन: हनोई, वियतनाम (2010)

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न

चर्चा में क्यों?

प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक **जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत** विज्ञान रत्न पुरस्कार **2025 के लिये चयनित** किया गया है, जो **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** में **आजीवन उपलब्धियों** के लिये देश का सर्वोच्च सम्मान है।

- **भारत सरकार** ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के **दूसरे संस्करण की** घोषणा की, जिसमें चार श्रेणियों - **विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा** और **विज्ञान टीम** में **23 व्यक्तियों तथा एक संस्थान को** सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **जयंत विष्णु नार्लीकर के बारे में:**
  - जयंत विष्णु नार्लीकर (1938–2025) एक **प्रख्यात खगोल-भौतिक वैज्ञानिक** थे, जो **ब्रह्मांड विज्ञान, सामान्य सापेक्षता** तथा **ब्रह्मांड के स्थिर-अवस्था सिद्धांत** पर अपने शोध कार्यों के लिये विख्यात थे।
  - **सर फ्रेड होयल** के निकट सहयोगी के रूप में उन्होंने **गुरुत्वाकर्षण के होयल-नार्लीकर सिद्धांत** का सह-विकास किया।
  - वे **पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल-भौतिकी केंद्र (IUCAA)** के **संस्थापक निदेशक** रहे।
  - उनके योगदान ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के मध्य सेतु का कार्य किया, जबकि उनके **लोकप्रिय विज्ञान लेखन** ने युवा वैज्ञानिकों की अनेक पीढ़ियों को प्रेरित किया।
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्त्ता:**

विज्ञान श्री (विशिष्ट योगदान)	
प्राप्तकर्त्ता	**क्षेत्र**
ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह	कृषि विज्ञान
यूसुफ मोहम्मद शेख	परमाणु ऊर्जा
के. थंगराज	जैविक विज्ञान
प्रदीप थलप्पिल	रसायन विज्ञान
अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित	इंजीनियरिंग विज्ञान
एस. वेंकट मोहन	पर्यावरण विज्ञान
महान एम.जे.	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
जयन एन	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विज्ञान युवा (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार)	
जगदीश गुप्ता कपुगंती	कृषि विज्ञान
सतेंद्र कुमार मंगरौठिया	कृषि विज्ञान
देबरका सेनगुप्ता	जैविक विज्ञान

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

दीपा अगाशे	जैविक विज्ञान
दिब्येंदु दास	रसायन विज्ञान
वलीउर रहमान	भू - विज्ञान
अर्काप्रवा बसु	इंजीनियरिंग विज्ञान
सब्यसाची मुखर्जी	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
श्वेता प्रेम अग्रवाल	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
सुरेश कुमार	दवा
अमित कुमार अग्रवाल	भौतिक विज्ञान
सुरहुद श्रीकांत मोरे	भौतिक विज्ञान
अंकुर गर्ग	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
मोहनशंकर शिवप्रकाशम	प्रौद्योगिकी और नवाचार
विज्ञान टीम पुरस्कार	
CSIR अरोमा मिशन	कृषि विज्ञान

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- **परिचय:**
  - **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP)** भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है जो वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।
  - पद्म पुरस्कारों की तर्ज़ पर स्थापित यह सम्मान **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और** नवाचार के विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देता है।
  - ये पुरस्कार **प्रतिवर्ष भारत के** राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर **राष्ट्रपति भवन** में प्रदान किये जाते हैं।
  - वर्ष 2023 में स्थापित इस पुरस्कार के विजेताओं की अनुशंसा **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार** की अध्यक्षता वाली **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (RVPC)** द्वारा की जाती है।
  - इसका **पहला समारोह अगस्त, 2024** में आयोजित किया गया था।
- **श्रेणियाँ:**
  - **विज्ञान रत्न:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में *आजीवन उपलब्धियों और योगदान* के लिये प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान श्री:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।
  - **विज्ञान युवा:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में *असाधारण उपलब्धियों* के लिये *45 वर्ष से कम आयु* के युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान टीम:** उत्कृष्ट सहयोगात्मक कार्य के लिये तीन या अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं या नवप्रवर्तकों की टीम को प्रदान किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

त्रिशूल अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारत ने पाकिस्तान से सटी **पश्चिमी सीमा** पर बड़े स्तर पर तीनों सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'त्रिशूल' प्रारंभ किया है।

- यह अभ्यास सर क्रीक क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच किसी भी उकसावे या विरोध का सामना करने तथा **रक्षा तैयारियों को सुदृढ़** करने में भारत की तत्परता को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास **30 अक्तूबर से 10 नवंबर, 2025** तक निर्धारित है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना की बड़े पैमाने पर भागीदारी शामिल है।
    - इसका उद्देश्य **परिचालन तत्परता, संयुक्त समन्वय** और **बहु-क्षेत्र युद्ध कौशल** को बढ़ाना है।
  - इस अभ्यास का **कोड नाम "त्रिशूल"** है, जबकि आंतरिक रूप से इसे **"महागुर्जर"** कहा जाता है।
  - यह अभ्यास **जैसलमेर (राजस्थान) से सर क्रीक (गुजरात)** तक फैले थार रेगिस्तान को कवर करेगा।
- **उद्देश्य:**
  - मुख्य लक्ष्य **सेना, नौसेना और वायुसेना** के बीच **संयुक्त संचालन** का परीक्षण तथा सुधार करना है, जिसमें **भूमि, समुद्र, वायु** एवं **साइबर क्षेत्र** शामिल हैं।
  - अभ्यास में **एकीकृत संचालन, डीप-स्ट्राइक मिशन, अम्फीबियस युद्ध** और **बहु-क्षेत्र युद्ध तैयारियों** पर विशेष जोर दिया जाएगा।
  - यह अभ्यास **विभिन्न कमांडों के बीच समन्वय** बढ़ाने और **नवीनतम स्वदेशी हथियार प्रणालियों** को **वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में परखने** का भी लक्ष्य रखता है।
- **भागीदारी:**
  - **सेना** ने **20,000 से अधिक सैनिक** तैनात किये हैं, जिन्हें **T-90S और अर्जुन टैंक, हॉवित्ज़र, सशस्त्र हेलीकॉप्टर** तथा **मिसाइल प्रणाली** का समर्थन प्राप्त है।
  - **वायुसेना (IAF)** उच्च-गति वाले **"महागुर्जर"** संचालन कर रही है, जिसमें राफेल और सुखोई-30MKI फाइटर जेट, परिवहन तथा ईंधन भरण विमान (IL-78), AEW&C प्रणाली एवं UAVs तैनात हैं।
  - **नौसेना** ने सौराष्ट्र और गुजरात तटों पर **फ्रिगेट** तथा **विध्वंसक पोत** तैनात किये हैं, ताकि अम्फीबियस एवं समुद्री युद्ध अभ्यास किया जा सके।
- **एयरमैन को नोटिस (NOTAM):**
  - भारतीय वायु सेना **(IAF)** ने अभ्यास के दौरान राजस्थान और गुजरात के बड़े हिस्सों में **नागरिक उड़ानों को प्रतिबंधित करने के लिये एयरमैन को नोटिस (NOTAM)** जारी किया है, जबकि पाकिस्तान ने 28–29 अक्तूबर 2025 के आसपास अपने केंद्रीय तथा दक्षिणी वायु क्षेत्र में समान रूप से हवाई मार्गों पर प्रतिबंध लगाया है, संभवतः अपने **सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण** के कारण।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मोंथा चक्रवात

चर्चा में क्यों ?

बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न चक्रवात **"मोंथा"** भारत के **पूर्वी तट** के निकट पहुँचते ही **तीव्र रूप ले रहा है**, जिसके कारण **आंध्र प्रदेश, ओडिशा** और **तमिलनाडु** में **हाई अलर्ट** जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **चक्रवात के बारे में:**
  - **परिभाषा:** चक्रवात वे तेज़ वायु-संचलन हैं, जो **निम्न-दबाव क्षेत्रों** के चारों ओर घूमते हैं, जो **उत्तरी गोलार्द्ध** में **वामावर्त** तथा **दक्षिणी गोलार्द्ध** में **दक्षिणावर्त** घूमता है। ये अक्सर **तूफान और गंभीर मौसम** उत्पन्न करते हैं।
  - **चक्रवातों का वर्गीकरण:** IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए **बंगाल की खाड़ी** और **अरब सागर** में कम दबाव वाली प्रणालियों को **क्षति क्षमता** के आधार पर वर्गीकृत करता है।
  - **चक्रवातों का नामकरण:** WMO/ESCAP (एशिया और प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग) का **ट्रॉपिकल साइक्लोन पैनल**, जिसमें 13 **उत्तरी** हिंद महासागर **देश** शामिल हैं, **अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों** के नामकरण का प्रबंधन करता है।
    - पैनल के पास **13 देशों द्वारा प्रस्तुत नामों की पूर्व-निर्धारित सूची** होती है, जिसका **क्रमिक रूप से उपयोग** किया जाता है।
    - नामों का चयन **स्तंभ दर स्तंभ** किया जाता है, चाहे चक्रवात **कहीं भी उत्पन्न** हुआ हो।
- **हालिया चक्रवात:**
  - **'मोंथा' नाम,** जिसका अर्थ है सुंदर या सुगंधित फूल, **थाईलैंड द्वारा दिया गया था।**
  - इस मौसम के पहले चक्रवाती तूफान का नाम **श्रीलंका के सुझाव पर 'शक्ति' रखा गया।**
  - हाल ही में आए अन्य चक्रवातों में **शक्ति** (श्रीलंका), **फेंगल** (सऊदी अरब), **दाना** (कतर), **असना** (पाकिस्तान) और **रेमल** (ओमान) शामिल हैं।
  - नामकरण सूची के अनुसार, अगला चक्रवात **सेंयार (UAE) होगा,** उसके बाद **दित्वा (यमन), अर्नब (बांग्लादेश)** और **मुरासु (भारत) होंगे।**

DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार, **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** नेटवर्क **पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- पारंपरिक रूप से, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर **(DFCs) विशेष रूप से माल परिवहन** के लिये विकसित किये गए थे, जिनका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाना और मौजूदा रेलवे लाइनों पर भीड़ को कम करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- हालाँकि **छठ पूजा (25-28 अक्तूबर, 2025) के दौरान भारी भीड़ के कारण**, रेलवे ने पहली बार खाली **पैसेंजर कोचिंग रैक और विशेष ट्रेनों** को DFC पर चलाने की अनुमति दी।
- इस कदम से त्योहार के समय अधिक संख्या में **पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें** संचालित करना संभव हुआ।

DFC का स्वरूप:

- **ईस्टर्न DFC (EDFC): ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** लुधियाना (पंजाब) से शुरू होकर उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए दनकुनी (पश्चिम बंगाल) तक लगभग 1,839 किमी की लंबाई में विस्तृत है। EDFC का अधिकांश वित्तपोषण विश्व बैंक द्वारा किया जा रहा है।
- **वेस्टर्न DFC (WDFC):** यह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (JNPT), मुंबई से दादरी तक लगभग 1,506 किमी लंबा है। WDFC का वित्तपोषण **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा किया जा रहा है।

8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के लिये **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को स्वीकृति दे दी है।

- यह आयोग **केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन संरचना** तथा सेवानिवृत्ति लाभों की समीक्षा एवं सिफारिश करने के लिये उत्तरदायी है।

मुख्य बिंदु

- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के गठन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई थी** और इसके **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को 28 अक्तूबर, 2025 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- आयोग अपने गठन के **18 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगा,** जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी (रक्षा कार्मिकों सहित) एवं 69 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे।
- आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद **संशोधित वेतन एवं पेंशन संरचना जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है।**
- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग की संरचना:**

पद	नाम / पदनाम
अध्यक्ष	न्यायमूर्ति रंजन प्रकाश देसाई (पूर्व सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश)
अंशकालिक सदस्य	प्रो० पुलक घोष (भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू)
सदस्य सचिव	पंकज जैन (पेट्रोलियम सचिव)

- **संदर्भ की शर्तें (ToR):**
  - 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को निम्नलिखित विषयों पर विचार करने के बाद सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है:
    - देश की आर्थिक स्थिति एवं राजकोषीय **सतर्कता** की आवश्यकता।
    - विकासात्मक व्यय एवं **कल्याणकारी उपायों** के लिये संसाधनों की उपलब्धता।
    - गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत (विशेषकर 2004 से पूर्व की पेंशन देयताएँ)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- राज्य के वित्त पर प्रभाव, क्योंकि राज्य सरकारें अक्सर अपने वेतनमान को केंद्र के अनुरूप करती हैं।
- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSU) एवं निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की वर्तमान पारिश्रमिक संरचना, लाभ तथा कार्य स्थितियाँ।

- **पृष्ठभूमि:**
  - वेतन आयोग का **गठन** आमतौर पर **प्रत्येक 10 वर्ष में एक बार किया** जाता है ताकि सरकारी कर्मचारियों के भत्ते, वेतन संरचना एवं पेंशन में बदलाव की समीक्षा तथा सिफारिश की जा सके।
  - 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन वर्ष 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **न्यायमूर्ति सूर्यकांत** को भारत का **53वाँ** मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - वे **24 नवंबर, 2025** को **न्यायमूर्ति बी. आर. गवई** के उत्तराधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और **10 फरवरी, 2027** तक लगभग **15 माह** का कार्यकाल पूरा करेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वह **हरियाणा से भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश** होंगे।
- वह **पहली पीढ़ी के वकील** हैं, जो अपनी **स्पष्ट टिप्पणियों, संतुलित निर्णयों और संवैधानिक नैतिकता पर ज़ोर** देने के लिये जाने जाते हैं।
- उनके कार्यकाल में **न्यायिक सुलभता,** प्रशासनिक सुधार और **संवैधानिक व्याख्या में स्थिरता** पर विशेष ध्यान दिये जाने की संभावना है।

- **महत्त्वपूर्ण निर्णय:**
  - **अनुच्छेद 370:** पाँच-सदस्यीय पीठ के सदस्य रहे, जिसने **अनुच्छेद 370 के निरसन को वैध** ठहराया।
  - **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा:** इस संबंध में **महत्त्वपूर्ण निर्णय देने वाली पीठ** का हिस्सा रहे।
  - **चुनाव आयोग की निगरानी:** वर्तमान में **बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया** की देखरेख करने वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं।
- **भारत के मुख्य न्यायाधीश:**
  - **अनुच्छेद 124 (2)** के तहत मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - **वरिष्ठतम न्यायाधीश** को सेवा की अवधि के आधार पर मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है (यह **परंपरा है, कोई कानूनी बाध्यता नहीं**)।
  - **अर्हता:** मुख्य न्यायाधीश के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये व्यक्ति को
    - भारत का नागरिक होना चाहिये,
    - कम-से-कम **5 वर्ष उच्च न्यायालय के न्यायाधीश** या
    - **10 वर्ष अधिवक्ता** के रूप में कार्य किया होना चाहिये,
    - अथवा राष्ट्रपति की राय में **एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता** होना चाहिये।
- मुख्य न्यायाधीश को **केवल** संसद **के दोनों सदनों में** विशेष बहुमत **से पारित प्रस्ताव** के पश्चात् ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के भारत के एकीकरण में योगदान के सम्मान में मनाया जाता है।

- वर्ष 2025 में यह दिवस विशेष महत्त्व रखता है, क्योंकि यह **सरदार पटेल की 150वीं जयंती** का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय एकता दिवस:**
  - यह दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिपादित **एकता, अखंडता और समावेशिता** के मूल्यों का प्रतीक है।
  - इसे **पहली बार वर्ष 2014 में मनाया गया था,** जब सरकार ने **राष्ट्र-निर्माण** में पटेल के ऐतिहासिक योगदान को सम्मानित करने का निर्णय लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्ष 2015 के आयोजन के दौरान **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर जुड़ाव को सशक्त करना था।

कार्यक्रम:

- **केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा **माई भारत मंच** के माध्यम से आयोजित **सरदार @150 एकता यात्रा** का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति तथा नागरिक दायित्व की भावना को बढ़ावा देना था, जो **'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत'** के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- इसके अतिरिक्त, 31 अक्तूबर, 2025 को देश के प्रमुख शहरों में **"रन फॉर यूनिटी"** नामक राष्ट्रव्यापी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका **शुभारंभ नई दिल्ली** से हुआ।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:

- 31 अक्तूबर, 2018 को सरदार पटेल की स्मृति में **182 मीटर (600 फीट)** ऊँची विश्व की सबसे विशाल प्रतिमा **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी** का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में किया गया।
- यह प्रतिमा **नर्मदा नदी** के तट पर, **सरदार सरोवर बाँध** (जो कंक्रीट की मात्रा के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुरुत्व बाँध है) के समीप **साधु बेट पहाड़ी** पर स्थित है।
- वर्ष **2020** में इसे **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के **"आठ अजूबों"** की सूची में भी शामिल किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- भारत के **पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री**
- बारदोली की महिलाओं द्वारा **'सरदार'** की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- इनके जन्मदिन को **राष्ट्रीय एकता दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में **'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी'** का अनावरण किया गया।

संविधन सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- **मूल अधिकारों पर** सलाहकार समिति
- **अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर** समिति
- **प्रांतीय गठन समिति**

प्रमुख योगदान

- **खेड़ा (1918)** तथा **बारदोली (1928)** आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- **कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता** करते हुए **गांधी-इरविन समझौते** की पुष्टि का आह्वान किया।
- इन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होने **आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना** की।
- इन्होंने लगभग **565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय** करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें **'भारत का लौह पुरुष'** के रूप में जाना गया।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME